



पेज 8

मैनचेस्टर में बांग्लादेश से होगी टक्कर

दैनिक

हिंदमता

मिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुख्ता खबर

साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता: तमन्ना भाटिया



8 पेज



सुप्रभात



मौसम का भिजाज

सूर्यास्त (25 जून)
7:19 बजे, सूर्योदय
(26 जून) 6:03 बजे, तापमान: 29 डिग्री से. (हल्की बारिश।)

शॉर्ट स्टोरी

दिल्ली से निकला विमान पाकिस्तान में घुसा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बीते सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-479 में तकनीकी खराबी आने से विमान अपने तय रास्ते से भटक गया और सीधे पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में जा पहुंचा। बताया जा रहा है पाकिस्तान एयर ट्रेफिक अथॉरिटी की वेबसाईटी मिलने के बाद ही पायलट को इस बात का पता चला जिसके बाद विमान ने यू-टर्न लेकर वापस भारतीय एयरस्पेस की ओर रुख किया। यह घटना सामान्य रूट भटकने जैसी नहीं है क्योंकि जिस एयरस्पेस में विमान गया वह फिलहाल भारतीय विमानों के लिए पूरी तरह बंद है। बंद एयरस्पेस में किसी भारतीय विमान का चला जाना मामले को गंभीर बना देता है।

नौ करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक्स खाक

हिंदमाता नेटवर्क @ पालघर

पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जा रहे एक कंटेनर ट्रक में आग लग जाने से लगभग नौ करोड़ रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। अग्निशमन अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे वसई के पास इस ट्रक में आग लग गई लेकिन कोई हाताहत नहीं हुआ। ट्रक में आग लग जाने की वजह से इस व्यस्त रास्ते पर कुछ घंटों तक यातायात अवरुद्ध रहा। वीवीएफएमसी की अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि आग से कोई हाताहत नहीं हुआ क्योंकि चाकूक एवं अन्य ट्रक कर्मी आग फैलने से पहले ट्रक से कूद गए, लेकिन नौ करोड़ रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर खाक हो गया।

मानसून सत्र में टला उपसभापति का चुनाव?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में जारी मानसून सत्र के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। विधान परिषद के उपसभापति पद के चुनाव को लेकर फिलहाल डेढ़ एंव चौंच की स्थिति बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, इस मानसून सत्र में उपसभापति पद के लिए चुनाव नहीं कराए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति के लिए चुनाव कराने के बजाय, सरकार ने एक दिवसीय विशेष सेशन बुलाकर फैसला लेने की रणनीति बनाई है। यह सीट शिफ्टसेना एकनाथ शिंदे गुट के कोटे में आती है, और इसी को लेकर सत्ता के गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। उपसभापति पद के लिए नीलम गोरेडे, चंद्रकांत रघुवंशी और बच्चू कडू के नाम की चर्चा है।

गिद्ध ने भरी 3334 किलोमीटर की उड़ान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

इस वर्ष जनवरी में महाराष्ट्र के मेरघाट में जंगल में छोड़े गए एक भारतीय गिद्ध ने अब तक 3,334 किलोमीटर की दूरी तय की है। वन्यजीव विभाग ने बुधवार को बताया कि यह गिद्ध कई राज्यों के ऊपर से उड़ान भरते हुए राजस्थान के जैसलमेर जिले में चर्चित उतर में स्वीकार किया कि केन्द्र की एआई-आधारित प्रणाली ने 100-दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नागपुर के 482, यवमाल के 539, अमरावती के 504, नाशिक के 488 और रायगढ़ के 488 गांवों को उच्च जोखिम वाला चिह्नित किया है।

हिंदमाता एंकर:

मंत्री अदिति तटकरे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में कुपोषण कम हो रहा है, हालांकि अन्य कारणों से तीन साल में 40559 बच्चों की मौत

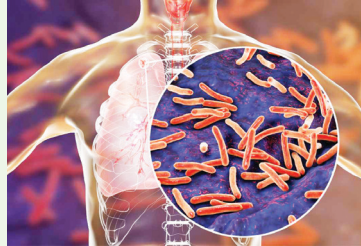
महाराष्ट्र में 35 दिनों में टीबी के 6100 से अधिक नए मामले सामने आए

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

केन्द्र सरकार के 100-दिवसीय तपेदिक मुक्त भारत अभियान के पहले 35 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में तपेदिक (टीबी) के 6,111 नये मामलों का पता चला है, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित आकलन प्रणाली के जरिए राज्य के 11,091 गांवों को उच्च जोखिम वाला चिह्नित किया गया है। यह जानकारी राज्य के एक मंत्री ने बुधवार को विधानसभा में दी। जन स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आंबेडकर ने एक लिखित उत्तर में स्वीकार किया कि केन्द्र की एआई-आधारित प्रणाली ने 100-दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत नागपुर के 482, यवमाल के 539, अमरावती के 504, नाशिक के 488 और रायगढ़ के 488 गांवों को उच्च जोखिम वाला चिह्नित किया है।

विदर्भ में टीबी का प्रकोप नहीं!

उन्होंने कहा कि हालांकि यह दावा सही नहीं है कि विदर्भ के कपास उत्पादक क्षेत्रों या जनजातीय बहुल इलाकों में राज्य के अन्य हिस्सों की तुलना में टीबी का प्रकोप असामान्य रूप से अधिक है। मंत्री ने कहा, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में जोखिम-आधारित जांच, मामलों का पता लगाना और निक्षय पोर्टल पर पंजीकरण नियमित रूप से किया जाता है। किसी भी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में टीबी के असामान्य रूप से अधिक मामले नहीं पाए गए हैं।



महाराष्ट्र में कुपोषण कम हो रहा है, हालांकि अन्य कारणों से तीन साल में 40559 बच्चों की मौत



जिला-वार विवरण दिया

जिला-वार विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच लातूर जिले में टीबी के 729 नए मरीज मिले और वर्तमान में 1,020 मरीज उपचाराधीन हैं। लिखित उत्तर के अनुसार, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2025 के दौरान टीबी के 4,493 नए मामले और 92 मौतें दर्ज की गईं। वहीं जनवरी से मई 2026 के बीच 1,846 नए मरीजों की पहचान हुई और 10 मौतें दर्ज की गईं। आंबेडकर ने यह दावा भी खारिज किया कि एआई-सक्षम जांच उपकरणों या सीबी-एनएएटी मशीनों की कमी के कारण रोग की पहचान और उपचार में देरी हो रही है।

महाराष्ट्र में कुपोषण कम हो रहा!

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र में कुपोषण का स्तर कम हो रहा है और पिछले तीन वर्षों में राज्य में बच्चों की मौतें मुख्य रूप से समय से पहले जन्म, संक्रमण और निर्मानिया के कारण हुईं। राज्य विधानसभा में एक लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में 40,559 बच्चों की मौतें हुईं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में 2023-24 में 13,810 बच्चों की मौतें हुईं, जबकि 2024-25 में यह संख्या 13,728 और 2025-26 में 13,021 थी। तटकरे ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि ये मौतें कुपोषण के कारण नहीं हुईं थीं।

2.05 करोड़ का हाइड्रोपोनिक वीड बरामद

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुजरात का युवक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने कार्रवाई करते हुए 2.05 करोड़ रुपए मूल्य की हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद की। इस मामले में 28 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो बैंकोंक से भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। मुंबई कस्टम्स के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी को पहचान ए.डी. रजानी के रूप में हुई है, जो गुजरात के जामनगर का रहने वाला है। अधिकारियों को उसके पास प्रतिबंधित सामान होने की आशंका थी। इसी आधार पर बैंकोंक से मुंबई पहुंचे यात्री को एयरपोर्ट पर रोका गया और उसके सामान की गहन जांच की गई। तलाशों के दौरान अधिकारियों को उसके ट्रॉली बैग में 14 पैकेट मिले। जब इन पैकेटों को खोला गया तो उनमें एक पौधे के फूल और ऊपरी हिस्से पाए गए, जिन्हें हाइड्रोपोनिक वीड (केनबिस) होने का संदेह हुआ। जांच में यह संदेह सही साबित हुआ।



2.05 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड बरामद

कस्टम अधिकारियों ने कुल 5,869 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2.05 करोड़ रुपए बताई गई है। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है।

गांजा तस्करी की कसी जा रही है नकेल

हाल ही में हवाई अड्डों पर ड्रग्स तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। 122 जून को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी बैंकोंक से आए एक भारतीय यात्री के कोशिश की जा रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है।

मानसून की मनमानी, शहर में दोहराई प्रशासनिक लीपापोती की वही पुरानी कहानी

मुंबई पानी-पानी

- अंडरपास लबाब, सड़कें और रेलवे ट्रैक पानी-पानी ...
- महापौर के सामने ही मैनहोल में गिरा बीएमसी कर्मचारी



नालासोपारा में सड़कें नदी बन गईं। लोगों को भारी परेशानी हुई। (फोटो- सचिन हलदे)

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

इस बार मुंबई में मानसून लगभग तेरह दिन देर से पहुंचा यानी बीएमसी को नालों, नाला बन चुकी नदियों, आवासीय परिसरों से कचरा निकालने के लिए लगभग तेरह दिन का अतिरिक्त समय मिला। इसके बावजूद मानसून की पहली ही बारिश में देश की सबसे धनी और चर्चित महानगरपालिका बीएमसी के सारे दावों पर पानी फिर गया। अदृश्य महाशक्ति के आशीर्वाद से चूटकी बजाते ही विधायक-सांसद तोड़ लेनेवाली महाराष्ट्र की ट्रिपल इंजन की सरकार शायद मानसून को अपने पाले में कर पाने में कामयाब नहीं हो पाई। इस ट्रिपल इंजन सरकार के विशेष सहयोग से ही इन दिनों बीएमसी का कामकाज भी चल रहा है। ऐसे में मुंबईकरों को उम्मीद थी कि कम से कम इस बार जलजमाव की समस्या देखने-सुनने को नहीं मिलेगी। लेकिन इस बार पहली ही बारिश में न केवल सड़कों ने नदियों का रूप ले लिया, बल्कि कई इलाकों में बारिश का पानी लोगों के घरों में भी घुस गया। खासकर उपनगरों में- मीरा-भायंदर, भिवंडी, कल्याण, उल्हासनगर, नालासोपारा, विरार में बारिश ने जीवन की रफ्तार रोक दी। सड़कों पर ट्रैफिक जाम दिखा, लोग घुटने भर पानी में चलने को विवश नजर आए। रही बात नगर निगम प्रशासन की तो सत्ता पक्ष सारा दोष मानसून की तेज रफ्तार को, तो विश्व सारा दोष सत्ता पक्ष और ठेकेदारों की मिलीभगत पर मढ़ता नजर आया। इन सबके बीच एमएमआर क्षेत्र में पसरे मुंबईकर जलजमाव को अपनी किस्मत मानकर रोजी-रोटी की जुगाड़ में जुटे नजर आए।



मेयर के सामने खुले नाले में गिरा बीएमसी कर्मचारी

बीएमसी अधिकारियों ने बताया कि महापौर रितु तावडे बुद्धमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) कमिश्नर के साथ किंग्स सर्कल के गांधी मार्केट में जलभराव का निरीक्षण कर रही थीं, तभी बीएमसी का एक सुरक्षित बूझने खुले नाले में गिर गया, लेकिन उसे तुरंत बचा लिया गया और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस इलाके में हुए जलभराव के कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने बीएमसी कमी के नाले में गिरने का वीडियो सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा करते हुए महापौर पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह व्यक्ति आपकी निष्क्रियता और भ्रष्टाचार के गड्डे में गिर गया है। यह कोई दुर्घटना नहीं है, आपका भ्रष्टाचार रोज हाथों पकड़ा गया है।

रेलवे ट्रैक जलमग्न, ट्रेनें प्रभावित

महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने मुंबई को जलमग्न कर दिया। दादर स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पानी से भर गए, जिससे लोकल ट्रेन सेवाओं पर बड़ा असर पड़ा। ट्रेनों के परिचालन में विलंब देखने को मिला। कुछ ट्रेनों को रद्द भी कर दिया गया। मुंबई सेंट्रल और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) समेत कई अन्य स्टेशनों पर भी पानी भरने की खबर सामने आई।

मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में बारिश का अलर्ट

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई, ठाणे, रायगढ़, पालघर और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि कुछ इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन क्षेत्रों में मध्यम से तेज बारिश और कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने मुंबई में मूसलाधार बारिश का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

विकोली वेस्ट में दही दीवार

मुंबई के विक्रोली वेस्ट इलाके में मंगलवार रात एक रिटेनिंग वॉल (दीवार) अचानक ढह गई। आधी रात में जब तेज आवाज से दीवार गिरी तो स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि इस घटना में फिलहाल किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन मलबे से आसपास के इलाके में ट्रैफिक प्रभावित हुआ।

जलभराव से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा

पवई के मिलिंज नगर में भारी बारिश में हुए जलभराव से परेशान लोगों ने मुंबई महानगर पालिका के खिलाफ गुस्सा दिखाया। उन्होंने पानी में बैठकर मुंबई महानगर पालिका प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटों की अवधि में महानगर के कुछ हिस्सों में 300 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। बीएमसी के मुताबिक बुधवार सुबह आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान कोलाबा स्थित तारकी वेशाला में 248 मिमी और साताक्रूज स्थित उपनगरीय वेशाला में 225 मिमी बारिश दर्ज की गई। उसने बताया कि पश्चिमी उपनगरों के मालवणी में 340 मिमी और मध्य मुंबई के परेल में इस दौरान 334 मिमी बारिश दर्ज की गई।

बारिश के बीच ट्रेन का दरवाजा बंद करने पर बहस हुई तो चाकू से गोदा

लोकल में मर्डर



- हत्यारा गिरफ्तार, पिता से पूछताछ में पता चली लोकेशन
- मुंबई से बाहर भागने की फिराक में था आरोपी रोशन सुवर्णा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

विरार पूर्व के भोईरापाडा निवासी मयंक लोहार (22), जो अंधेरी स्थित एक निजी कंपनी में सेल्समैन के रूप में कार्यरत था, भारी बारिश के चलते डिब्बे का दरवाजा बंद रखने का आग्रह कर रहा था। इसी बात को लेकर उसकी एक सहयात्री से कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने गुस्से में धारदार हथियार निकालकर मयंक के पेट पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मयंक ट्रेन में ही लहलुहान होकर गिर पड़ा। वारदात के बाद आरोपी बोरीवली स्टेशन पहुंचने से पहले ही चलीटी ट्रेन से उतरकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, मयंक और आरोपी दोनों अंधेरी स्टेशन से फर्स्ट क्लास कोच में सवार हुए थे। यात्रा के दौरान तेज बारिश के कारण ट्रेन का दरवाजा बंद रखने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने चाकू निकालकर मयंक के पेट में वार कर दिया। चाकू मारने के बाद रोशन सुवर्णा किसी छुट्टे सांड की तरह ट्रेन के कोच में चाकू लेकर यहां-वहां घूमता रहा। अन्य यात्री भयभीत होकर एक ओर दुबक गए। मयंक की मदद में कोई आगे नहीं आया। हमले में गंभीर रूप से घायल मयंक ट्रेन के डिब्बे में ही गिर पड़ा। वहीं, आरोपी बोरीवली स्टेशन पहुंचने से पहले ही ट्रेन से कूदकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि रात करीब 11 बजे ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर-6 पर पहुंचने वाली थी, तभी आरोपी मौके से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया, लेकिन रात 11:22 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को कानूनी प्रक्रिया के लिए क्राइमल स्थित शताब्दी अस्पताल भेज दिया गया।

सेल्समैन का काम करता था मयंक

मयंक लोहार विरार इलाके में रहता था। वह अंधेरी के वेस्टसाइड में सेल्समैन का काम करता था। मयंक का रोज का आना-जाना अंधेरी से विरार था। मंगलवार की रात, वह चर्चगेट से विरार के लिए फर्स्ट क्लास कोच में अंधेरी से निकला था। भारी बारिश की वजह से रात करीब 10 बजे उसने दूसरे पैसेंजर से लोकल ट्रेन का दरवाजा बंद करने को कहा, लेकिन इस पर दोनों के बीच बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि दूसरे पैसेंजर ने मयंक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और उसे चाकू मार दिया।

कुर्ला से पकड़ा गया हत्यारा

मुंबई में लोकल ट्रेन में हुई हत्या के मामले में आरोपी की गिरफ्तार किया गया है। रेलवे पुलिस की टीम ने आरोपी को कुर्ला से पकड़ा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रेलवे पुलिस ने 6 टीमें तैनात की थीं। गिरफ्तार आरोपी का नाम रोशन सुवर्णा है। आरोपी की उम्र 30 साल है। पुलिस ने आरोपी के पिता से कड़ी पूछताछ की, जिसके बाद आरोपी ने लोकेशन मिला और फिर उसे दबोच लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार रोशन सुवर्णा मुंबई से बाहर भागने की ताक में था, लेकिन पुलिस ने उसके मंसूबे साफल होने से पहले ही उसे दबोच लिया।

एयरपोर्ट के कार्गो सेवशन में काम करता था आरोपी

गिरफ्तार आरोपी रोशन सुवर्णा की उम्र 30 वर्ष है और वह मुंबई एयरपोर्ट के कार्गो सेवशन में काम करता था। फिलहाल पुलिस इस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

एजेंसियों को सौंपे साक्ष्य

देर रात करीब 1 बजे मुंबई सेंट्रल के एडीआरएम और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ने बोरीवली स्टेशन पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की। पश्चिम रेलवे का कहना है कि सूचना मिलते ही इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया था। रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और मेडिकल स्टाफ ने तुरंत सहायता पहुंचाई।

शादी के कार्ड में जन्मतिथि छापना होगा अनिवार्य!

राजस्थान मॉडल अपनाने पर सरकार कर रही विचार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने के लिए एक नया कदम उठाने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार राजस्थान की तर्ज पर विवाह पत्रिकाओं यानी शादी के कार्ड पर दूल्हा और दुल्हन की जन्मतिथि छापना अनिवार्य करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से शादी के समय वर-वधू की सही उम्र को ज्ञात करना आसान हो जाएगा और नाबालिगों को शादी को रोका जा सकेगा। विधानसभा में बीजेपी विधायक अतुल भातखलकर द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान में इस पहल को व्यवस्था लागू होने के बाद अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। वहां बाल विवाह के मामलों पर नियंत्रण पाने में इस पहल ने मदद की है। इसी अनुभव को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार भी इस दिशा में कदम बढ़ाने पर विचार कर रही है।

बढ़ाया जाएगा जिम्मेदारी का दायरा

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत केवल परिवार ही नहीं, ब्रिटिश शादी के कार्ड छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस, मंगल कार्यालय और विवाह आयोजन से जुड़े अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। अगर किसी शादी में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी।

खाकी वर्दी पहनकर जेल में कर रहा था ड्रग्स की तस्करी

कारागार में तलाशी के दौरान मादक पदार्थ बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल
तलोजा केंद्रीय कारागार में खाकी वर्दी पहने एक कर्मचारी के ही मादक पदार्थ तस्करी में शामिल होने का मामला सामने आया है। कारागार के 24 वर्षीय प्रहरी को प्रवेश द्वार पर की गई तलाशी के दौरान नशीले पदार्थों के साथ रंगेहाथ पकड़ा गया। इस मामले में खारघर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।



47 हजार का माल जब्त
तलाशी में शेलार के पास से 45.92 ग्राम चरस तथा 20.55 ग्राम वजन की कुछ नशीली गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार जब्त किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 47 हजार रुपए है।

कैदियों तक पहुंचाने की आशंका

कारागार प्रशासन की शिकायत के आधार पर प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई गई है कि आरोपी न्यायिक बंदियों और कैदियों तक मादक पदार्थ पहुंचाने के उद्देश्य से इन्हें जेल परिसर में ला रहा था। शिकायत मिलने के बाद खारघर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

तलोजा कारागार में पहले भी अवेध मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में अब कारागार कमी के ही मादक पदार्थ तस्करी में शामिल

पाए जाने से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की आगे की जांच खारघर पुलिस कर रही है।

पहली बारिश में डूबा मीरा-भायंदर

बारिश ने खोली तैयारियों की पोल

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मंगलवार मध्यरात्रि हुई पहली तेज बारिश ने ही मीरा-भायंदर महानगरपालिका के मानसून पूर्व तैयारियों के दावों की पोल खोल दी। शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया, जो लोगों के घरों तक पहुंच गया। वहीं कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आईं, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।



प्रशासन ने किए थे बड़े दावे

मानसून से पहले महानगरपालिका प्रशासन ने नालों की सफाई, निचले क्षेत्रों का सर्वेक्षण, जल निकासी के लिए पंप लगाने तथा खतरनाक पेड़ों की पहचान कर आवश्यक उपाय करने का दावा किया था। प्रशासन का कहना था कि इस बार बारिश के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति नहीं बनने दी जाएगी।

कई इलाकों में भरा पानी

मंगलवार रात शुरू हुई तेज बारिश के कुछ ही समय बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव की शिकायतें आने लगीं। भायंदर के बेकरी गली, शांतिनगर, विनायकनगर, काशीनगर और बी.पी. रोड क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया। मीरा रोड के कई इलाकों में भी यही स्थिति रही। कई घरों में पानी घुसने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पेड़ गिरे, यातायात प्रभावित

एक ही रात में शहर के छह स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। वहीं भायंदर पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले सब-बै में पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हो गया और वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी।

ट्रेन से अजगर का रेस्क्यू

जनशताब्दी एक्सप्रेस के इंजन में मिला अजगर का बच्चा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मडगांव-सीएसएमटी जनशताब्दी एक्सप्रेस के लोकोमोटिव से भारतीय अजगर के एक बच्चे का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। ट्रेन के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचने के बाद लोको पायलट एन.के. परसेया ने इंजन के मुंबई छोर वाले केबिन में अजगर के बच्चे को देखा और इसकी सूचना अपने रिलीवर लोको पायलट आमप्रकाश राम को दी।

तत्काल शुरू हुआ बचाव अभियान

सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद महाराष्ट्र राज्य के मानद पशु कल्याण अधिकारी अभिषेक अशोक ठाकरे मौके पर पहुंचे। सभी आवश्यक सावधानियां बरतते हुए रात करीब 1.40 बजे अजगर के बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान रेल परिवालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

मानसून में बढ़ती हैं ऐसी घटनाएं

विशेषज्ञों के अनुसार भारतीय अजगर एक विषहीन और संरक्षित प्रजाति है। मानसून के दौरान वन्यजीव अक्सर सुरक्षित आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों या अन्य स्थानों में पहुंच जाते हैं। माना जा रहा है कि यह अजगर का बच्चा भी बारिश से बचने के लिए इंजन में घुस गया होगा।

नागरिकों से अपील

मध्य रेल ने चालक दल की सतर्कता और पशु कल्याण अधिकारी की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। साथ ही नागरिकों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर उसे पकड़ने या नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें, बल्कि तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को सूचना दें।

हिंदमाता एंकर:

तीसरी और चौथी रेल लाइन के कार्य के लिए 27/28 जून की रात ट्रैफिक व पावर ब्लॉक, कई लोकल सेवाएं प्रभावित

कल्याण-बदलापुर रेलखंड पर विशेष ब्लॉक

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण/बदलापुर

मध्य रेल द्वारा कल्याण और बदलापुर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी रेल लाइन परियोजना के तहत 27/28 जून की मध्यरात्रि विशेष ट्रैफिक और पावर ब्लॉक किया जाएगा। यह ब्लॉक फुट ओवर ब्रिज के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित 'एन' प्रकार ट्रस को रोड क्रैन को सहायता से हटाने (डी-लॉन्चिंग) के लिए लिया जा रहा है।



संदिग्ध

गतिविधि पर

कार्रवाई

जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार दोपहर करीब सवा तीन बजे कारागार के प्रवेश द्वार पर हुई। दिन की इयूटी पर तेनात प्रहरी आदित्य शेलार की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर एक हवलदार ने उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान उसकी खाकी पैट की जेब से मादक पदार्थों का खजीरा बरामद हुआ।



पालघर जिले के वसई, विरार और नालासोपारा क्षेत्र में हुई अतिवृष्टि के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। शहर के कई प्रमुख मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सड़कें पानी में डूब जाने से वाहन चालकों को मुश्किलें झेलनी पड़ीं, जबकि कई वाहन बीच रास्ते में बंद हो गए। पहली ही तेज बारिश में जलनिकासी व्यवस्था की पोल खुलने पर नागरिकों ने मनपा प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए।

(छायाचित्र : सचिन हलदे)

नाला सफाई पर उठे सवाल

2.44 करोड़ रुपए खर्च के बावजूद पहली बारिश में जलभराव, पहली बारिश में खुली पोल

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

मानसून की पहली बारिश ने भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका की नाला सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर में नाला सफाई पर करीब 2 करोड़ 44 लाख रुपए खर्च किए जाने के बावजूद कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने सफाई कार्यों की गुणवत्ता को लेकर नई बहस छेड़ दी है।



वायरल वीडियो बना चर्चा का विषय

वंजारपट्टी नाका के आमपाड़ा क्षेत्र से सामने आए वीडियो में कथित रूप से सफाईकर्मी नाले से कचरा बाहर निकालने के बजाय उसे आगे की ओर धकेलते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि इससे नालों की वास्तविक सफाई नहीं हो रही और केवल खानापूति की जा रही है।

जनता ने मांगा जवाब

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि हर वर्ष नाला सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दिखाई नहीं देते। नागरिकों ने कार्यों की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

कार्रवाई की उम्मीद

महापौर नारायण चौधरी पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि संतोषजनक कार्य नहीं मिलने पर संबंधित ठेकेदारों के बिल रोके जाएंगे। अब शहरवासियों की निगाहें मनपा प्रशासन पर टिकी हैं कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

50 लाख दहेज मांगने पर मामला दर्ज

सगाई के बाद इंजीनियर युवक और उसके चार रिश्तेदारों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ पनवेल

सगाई समारोह संपन्न होने के तुरंत बाद शादी से पहले 50 लाख रुपए नकद दहेज की मांग करने के आरोप में पनवेल तालुका पुलिस ने एक इंजीनियर युवक सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डॉ।बवली निवासी पीड़ित युवती की शिकायत के बाद यह कार्रवाई दहेज निषेध कानून के तहत की गई।



विवाह वेबसाइट से हुई थी पहचान

पुलिस के अनुसार, डोंबिवली की रहने वाली एक युवती का विवाह मुंबई के दादर (पश्चिम) निवासी 30 वर्षीय इंजीनियर युवक से तय हुआ था। शिकायत में कहा गया है कि दोनों परिवारों की पहचान एक वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम से हुई थी। 20 जून को पनवेल के निक्ट शेंदुंग फाटा स्थित शिल्प रिसॉर्ट में सगाई और हल्दी समारोह आयोजित किया गया था।

सगाई के बाद रखी दहेज की मांग

आरोप है कि सगाई कार्यक्रम समाप्त होते ही पर पक्ष ने वधू की मौसी के सामने शादी से पहले 50 लाख रुपए नकद देने की मांग रखी। वधू पक्ष ने युवक और उसके परिवारों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस दौरान वधू पक्ष के लोगों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई।

ऑनलाइन शिकायत

के बाद कार्रवाई

घटना से आहत वधू पक्ष समारोह स्थल छोड़कर डोंबिवली लौट गया और वहां ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच के बाद मामला पनवेल तालुका पुलिस को सौंप दिया गया।

पांच आरोपियों पर केस

पीड़ित युवती की शिकायत पर इंजीनियर युवक तथा उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गजानन घाडगे के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक विष्णु टोणे मामले की आगे की जांच कर रहे हैं।

मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग बदलेगा

भुवनेश्वर-सीएसएमटी कोणार्क एक्सप्रेस, विशाखापट्टनम-एलटीटी एक्सप्रेस, हैदराबाद-सीएसएमटी एक्सप्रेस और होस्पेट-सीएसएमटी एक्सप्रेस को कर्जत-पनवेल-दिव्या मार्ग से चलाया जाएगा। इन ट्रेनों के गंतव्य पर 10 से 20 मिनट की देरी से पहुंचने की संभावना है। यात्रियों की सुविधा के लिए जिन ट्रेनों का ठहराव कल्याण में है, उन्हें पनवेल और ठाणे में अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

लोकल ट्रेनें रहेंगी रद्द

ब्लॉक के कारण सीएसएमटी-बदलापुर, सीएसएमटी-अंबरनाथ, बदलापुर-ठाणे और अंबरनाथ-सीएसएमटी सहित चार लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी। वहीं कुछ ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन और शॉर्ट ऑरिजिनेशन किया जाएगा। सीएसएमटी-कर्जत लोकल को ठाणे तक सीमित किया जाएगा, जबकि कर्जत-सीएसएमटी लोकल ट्रेन से शुरु होगी।

ब्लॉक का समय

रेल प्रशासन के अनुसार 28 जून को रात 1:20 बजे से सुबह 3:50 बजे तक कल्याण और वांगणी स्टेशन के बीच अप एवं डाउन दक्षिण-पूर्व लाइन पर ब्लॉक रहेगा। इस दौरान कल्याण और कर्जत के बीच उपनगरीय रेल सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

शॉर्ट स्टोरी

राकांपा की नई कार्यकारणी घोषित

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की नई कार्यकारिणी की घोषणा शनि नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रवक्ता महेश



तापसे और शहर अध्यक्ष सीमा महेश आहुजा ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में महेश तापसे ने नया मुक्ति अभियान को लेकर सीमा आहुजा के कार्यों की सराहना की और नए पदाधिकारियों को जनहित के मुद्दों पर सक्रिय होकर काम करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाकर जनता की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करना आवश्यक है। नई कार्यकारिणी में सात उपाध्यक्ष, सात सचिव और सात सहसचिव नियुक्त किए गए हैं। प्रमुख नियुक्तियों में विनोद बारे, आरिफ मामू, विशाद, प्रवीण तायडे, डॉ. रंजना, जितेंद्र वाघ, संजय सालवे, पायल पगार और हरेश साधवानी शामिल हैं। इस अवसर पर मिलिंद, अशोक गवानी, निसार शेख, कांता, सीमा शेख, राकेश सोनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जलभराव पर नाराजगी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई



मानसून की पहली बारिश में ही वार्ड क्रमांक 86 के अंतर्गत मरोल चिमट पाड़ा क्षेत्र में हुए जलभराव को लेकर शिवसेना उपनता कमलेश राय ने मनपा अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने मनपा के सहायक आयुक्त के दौरे के दौरान कहा कि पहली ही बारिश में जलभराव होना अधिकारियों की लापरवाही का परिणाम है। कमलेश राय ने बताया कि नगरसेवक रितेश राय द्वारा पहले ही वार्ड अधिकारी और संबंधित विभागों को संभावित समस्या से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद नालों की समय पर सफाई नहीं होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर फुटपाथों पर चलना भी मुश्किल हो गया है। राय ने मांग की कि पूरे वार्ड के नालों की तत्काल सफाई कराई जाए तथा जलभराव वाले सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि क्षेत्र में वृक्षारोपण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं भी लगातार संचालित की जा रही है।

बारिश पर मनपा सतर्क

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में मानसून की पहली बारिश के बाद महापौर अजीव पाटील ने प्रशासन को स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। लगातार भारी और उमस के बाद हुई बारिश से लोगों को रहत मिली, लेकिन कई मार्गों और निचले इलाकों में जलभराव, मिट्टी और कीचड़ की समस्या भी सामने आई। महापौर ने घनकचरा व्यवस्थापन विभाग को प्रमुख सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और प्रभावित क्षेत्रों में जमा कीचड़ तत्काल हटाने तथा कीटनाशक एवं जंतुनाशक दवाओं का छिड़काव करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को भी मानसून के दौरान फैलने वाली डेंग्यू, मलेरिया और गैस्ट्रो जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक तैयारियां करने को कहा है। स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाओं का भंडारण रखने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य तंत्र को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर अजीव पाटील ने कहा कि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए बारिश के शुरुआती दौर से ही सभी आवश्यक उपाय प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं। उनके निर्देशों के बाद मनपा प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

फर्जी हाजिरी पर हंगामा

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका (बीएसपीएमसी) के स्वास्थ्य विभाग में कथित फर्जी हाजिरी और वेतन घोटाले का मामला विधानसभा तक पहुंच गया है। भिवंडी पूर्व के विधायक रईस शेख ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाते हुए स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाया। विधायक ने सदन में कहा कि स्वास्थ्य विभाग



के कुछ कर्मचारी फर्जी हस्ताक्षर के जरिए बिना इयूटी किए वेतन प्राप्त कर रहे हैं। उनके अनुसार पिछले करीब छह वर्षों में लगभग 300 कर्मचारी नियमित रूप से काम पर नहीं आ रहे हैं, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। कई इलाकों में गंदगी की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। रईस शेख ने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स के पैसे से ऐसे कर्मचारियों को वेतन दिया जाना गंभीर अनियमितता है। उन्होंने कहा कि इससे नगर निगम के भीतर सक्रिय कथित भ्रष्ट तंत्र का पदाकांक्षी हुआ है, जो प्रशासनिक व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं दोनों को प्रभावित कर रहा है। विधायक के अनुसार इस मामले को नगरसेवक सद्दाम खान ने उजागर किया है। उन्होंने राज्य सरकार से पूरे प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज करने तथा उच्चस्तरीय और निपेक्ष जांच कराने की मांग की। साथ ही दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और आवश्यक होने पर उनकी सेवाएं समाप्त करने की भी मांग की। मामले के विधानसभा में उठने के बाद अब सरकार और मनपा प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

महिला सुरक्षा के लिए एसओएस फीचर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल और यात्री ऐप के सहयोग से महिला यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एसओएस सुरक्षा फीचर लॉन्च किया गया है। इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन 23 जून को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में किया गया। समारोह में मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और यात्री ऐप के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुंबई उपनगरीय रेल लॉन्च में प्रतिदिन लाखों महिलाएं सफर करती हैं। नया एसओएस फीचर लोकल ट्रेनों, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज और स्टेशन परिसरों में किसी भी आपात स्थिति के दौरान महिला यात्रियों को सीधे आरपीएफ से जोड़ने का काम करेगा।

फीचर सक्रिय होते ही यात्री की लाइव लोकेशन और यात्रा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी स्वतः आरपीएफ कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी। यह सुविधा केवल महिला उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगी और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सक्रिय रूप से संचालित की जाएगी। एसओएस बटन दबाने के बाद पांच सेकंड का रद्द करने का विकल्प भी रहेगा, ताकि गतिती से अलर्ट भेजे जाने की स्थिति से बचा जा सके। मध्य रेल के अनुसार यह तकनीक आधारित पहल आपातकालीन प्रतिक्रिया समय को कम करने और महिला यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने में मददगार साबित होगी। अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षित, संरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

वर्धा के कारंजा में बैंक घोटाला

हिंदमाता नेटवर्क @ वर्धा

कारंजा तहसील के भारत फायनान्स बैंक में सामने आये इस प्रकरण को ब्रांच के मैनेजर सहित 3 कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों ने दो महिला ग्राहकों के लगभग 1 लाख 27 हजार रुपए बैंक में न भरते हुए अपने निजी उपयोग के लिए खर्च कर लिए। जानकारी के अनुसार कारंजा तहसील के नारा निवासी दिपाली प्रमोद खवशी (37) के नाम पर उनकी रिश्तेदार संगीता खवशी ने कर्ज उठाया था। इसकी नियमित किस्ते भी उन्होंने अदा कर दी थी, उस समय बैंक ने उन्हें कोई कारण बताते हुए रसिदें नहीं दी। जिसके पश्चात महिला ने संपूर्ण कर्ज की राशि अदा करने पर एकसाथ बुक क्रमांक 120183 की रसिद क्रमांक 1 प्राप्त कर ली। मई 2026 में संगीता खवशी को बैंक से फोन आया, तब उन्हें बताया गया कि उनके ऊपर बैंक का 82 हजार रुपए कर्ज बकाया है। यह सुनकर संगीता खवशी अपने पति के साथ बैंक में पहुंची, जहां उन्होंने सभी किस्ते नियमित अदा करने की बात कही। साथ बैंक से मिली रसिद भी उन्होंने दिखाई परंतु उन्हें पता चला कि वो रसिद फर्जी है। महिला ने कर्ज व ब्याज के कुल 86 हजार रुपए बैंक मैनेजर कुणाल धावके व कर्मचारी सागर मोहेंकर को दिए थे। परंतु आरोपियों ने उक्त राशि बैंक में न भरते हुए अपने निजी स्वार्थ के लिए रख ली। इस बात को छिपाने के लिए महिला को फर्जी रसिद तक दे दी। इस बात का पता लगने के बाद कारंजा पुलिस ने कुणाल धावके व सागर मोहेंकर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

विचार प्रवाह



टहना बहुत जरूरी है। आपको तब तक हार नहीं माननी चाहिए जबतक की आपको हार मानने के लिए मजबूर ना किया जाए।

- इलोन मस्क

संपादकीय

फोन तोड़ना बड़े संकट का छोटा समाधान

आज स्मार्टफोन के बच्चों व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से पूरी वैश्विक विरादारी फिक्रमंद है। लाइलाज मर्ज बनती इस लत के खिलाफ परंपरागत समाजों व विकासशील देश ही नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि विकसित देशों में भी एक उम्र के बाद ही स्मार्ट फोन के इस्तेमाल करने के लिए कानून बन रहे हैं। सोशल मीडिया के जनक अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ अदालतों में मोटे मुआवजे वसूले गए हैं। इसी बीच हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव में एक अभिनव पहल हुई है। यूं तो स्मार्टफोन आज आवश्यक बुराई बनते जा रहे हैं, लेकिन सुखपुरी के दुख अलग हैं। गांव की पहचान साइबर क्राइम के हब के रूप में होने लगी है। आये दिन गांव में पुलिस की दस्तक से उन्हें बदनामी महसूस होती है। उनका कहना है कि इस गांव के कुछ युवाओं के साइबर क्राइम में शामिल होने के आरोपों के चलते बाहरी ग्रामीण गांव में रिश्ते करने से कतरा रहे हैं। गांव में पंचायत प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने 55 मोबाइल हैंडसेट पटककर तोड़ दिए। उनका मकसद गांव को साइबर क्राइम हब के दाग से मुक्त कराना था। ग्रामीणों ने जरूरत के लिये बेसिक फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। बताते हैं कि नूंह क्षेत्र के 57 गांवों के लोगों ने भी ऐसी पहल करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी में बड़े-बुजुर्गों के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उनका मानना है कि इस फैसले से उनकी आर्थिक प्रगति बाधित होगी। कई लोग ऐसे हैं जिनकी कमाई पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। उनकी दलील है कि महज कुछ लोगों की गलती का सजा पूरी पीढ़ी को नहीं दी जा सकती। वे ऑनलाइन पढ़ाई व स्कॉलरशिप पोर्टल से कट जाएंगे। वहीं यूपीआई पेमेंट सहित ऑनलाइन भुगतान के तौर-तरीके बाधित होंगे। लेकिन सुखपुरी के लोगों के गांव का नाम साइबर क्राइम से जुड़ने के दुख को भी समझने की जरूरत है। सही मायने में आज जरूरत एक बीच का रास्ता तलाशने की है। ताकि साइबर क्राइम में युवाओं के लिल होने से गांव की बदनामी भी न हो, और डिजिटल गतिविधियां भी चलती रहें। निस्संदेह, तकनीक को धोखा देने और गैर-कानूनी फायदा उठाने का जज्बा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। नियामक एजेंसियों को सामुदायिक नेताओं की मदद से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना चाहिए, जो अक्सर साइबर फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन स्कैम में लिप्त रहते हैं। वाकई आज स्मार्ट फोन दुष्पारी तलवार बन गए हैं। ऐसा जिन, जिसमें अच्छाई भी है और बुराई भी। जिसकी वजह से तुरंत पैसा कमाने के फेर में युवा साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। सवाल केवल साइबर अपराधों का ही नहीं है, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मों में अश्लील सामग्री का बोलबाला है। जिससे किशोर व युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं। कई तरह की भाषाई विकृतियां सामने आ रही हैं। समय व पैसा बचाने के लिये शादियों के कार्ड व्हाट्स ऐप के जरिये भेजने का प्रचलन तो बढ़ा है, लेकिन इससे विवाह समारोह के आमंत्रण की गरिमा व प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ये स्पष्ट है कि आज स्मार्ट फोन सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा, बैंकिंग, सरकारी सेवाओं, रोजगार के मौके तलाशने व वीडियो कॉलिंग का जरिया भी हैं। ऐसे समय में, जब गांवों में सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी अपरिहार्य है, स्मार्टफोनो के उपयोग से युवाओं को पूरी तरह से वंचित नहीं किया जा सकता। डिजिटल दौर में उन युवाओं के भी अलग-थलग पड़ने की आशंकाएं हैं, जिनका भाविष्य बचाने के लिये यह पहल की जा रही है। दरअसल, मुद्दा स्मार्ट फोन डिवाइस का नहीं है, बल्कि इसके गलत इस्तेमाल का है। जिसे समाज में बढ़ती बेरोजगारी, कौशल की कमी और रातों-रात अमीर बनने की चाह बढ़ावा देती है। ऐसे कृत्यों के कानूनी नतीजों से युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है। इस संकट के मूल को तलाशकर, उसका उपचार करना जरूरी है। आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि साइबर साक्षरता व डिजिटल जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की है। बहरहाल, सुखपुरी की सामूहिक कार्रवाई और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का सम्मान किया जाना चाहिए।

आज का इतिहास



- 1977 - आपातकाल की बरसी 25 जून को 'काला दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- 1998 - सं.रा. अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन 9 दिन की यात्रा पर चीन पहुंचे।
- 1999 - संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा यूसुरावियाई राष्ट्रपति स्लोबोदान मिलोसेविच को गिरफ्तारी की सूचना देने पर 50 लाख डालर के इनाम की घोषणा।
- 2002 - अफगानिस्तान में नये मॉनिमंडल ने शपथ ग्रहण किया।
- 2003 - सिंगापुर के शीर्ष वकील और भारतीय समुदाय के प्रमुख सदस्य आर. पाल कृष्णन का मेलबोर्न में निधन।
- 2004 - रूस द्वारा भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने का निर्णय।
- 2005 - अहमदी नेजाद ईरान के राष्ट्रपति बने।
- 2008 - उत्तर प्रदेश सरकार ने मकान व प्लाट की रजिस्ट्री सस्ती कर उस पर लगने वाला स्टाम्प शुल्क 8% से घटाकर 5% कर दिया।
- 2017- श्रीकान्त ने ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर सीरीज का खिताब जीता।
- 1900 - लॉर्ड माउंटबेटन - ब्रिटिश राजनेता, नौसेना प्रमुख और भारत के अंतिम वाइसराय
- 1903 - चन्द्रशेखर पाण्डे -

- प्रसिद्ध साहित्यकारों में से एक।
- 1908 - सुचेता कृपलानी - महिला भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनीतिज्ञ।
- 1931 - विश्वनाथ प्रताप सिंह - भारत के आठवें प्रधानमंत्री।
- 1924 - मदन मोहन मालवीय फिल्म संगीत निर्देशक।
- 1935 - उदय चंद - सेवानिवृत्त भारतीय पहलवान और कुश्ती कोच हैं।
- 1957 - गोपाल प्रसाद दुबे - सरयकेला छऊ नृत्य के अग्रणी नर्तक हैं।
- 1966 - एम. वी. वो. सत्यानारायण - विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश से भारत की संसद में सांसद हैं।
- 1975 - मनोज कुमार पांडेय - परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक।
- 1986 - सुधा सिंह - भारत की प्रसिद्ध महिला एथलीटों में से एक हैं।
- 1961-सतीश शाह - भारत के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता हैं।
- 2019 - मोहन रानाडे - गोवा की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी थे।
- 2009- शिव चरण माथुर - राजस्थान के दसवें मुख्यमंत्री थे।
- 1950 - स्वामी सहजानंद सरस्वती - भारत के राष्ट्रवादी नेता एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी।

चढ़ावा चोरी पर सवाल

राम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी ने आस्था, जवाबदेही और पारदर्शिता पर खड़े किए प्रश्न

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली सदियों के संघर्ष, असंख्य लोगों के बलिदान और दशकों की कानूनी लड़ाई के बाद अयोध्या में साकार हुए राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी के मामले ने लोगों की आस्था पर गहरी चोट करने के साथ ही उनके भरोसे को डिगाने का काम किया है। किसी के लिए भी यह सोचना कठिन है कि चढ़ावे में चोरी वही लोग कर रहे थे, जिन पर उसकी पाई-पाई का हिसाब रखने की जिम्मेदारी थी।



इस हेरान-पेशान करने वाले मामले की जांच एसआइटी की ओर से की जा रही है। आशा की जाती है कि सच में दूध का दूध और पानी का पानी होगा, लेकिन जब तक ऐसा हो न जाए, तब तक निश्चित नहीं हुआ जा सकता।

जवाबदेही का अभाव

■ जब कथित आंतरिक जांच में गंभीर किस्म की गड़बड़ी सामने आई तो मंदिर ट्रस्ट की ओर से राज्य सरकार से जांच कराने को कहा गया। इसके बाद एसआइटी का गठन हुआ। इसके पहले राम मंदिर निर्माण समिति के जो अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र यह कह रहे थे कि उनका काम केवल निर्माण कार्यों को देखना है, वे अचानक टीवी चैनलों में यह बताते हुए दिखाई दिए कि दान पात्रों की गिनतारी और चौकसी में भारी कमी थी। उन्होंने चढ़ावा चोरी को डफैती कह कर खतः ही मामले की गंभीरता को रेखांकित कर दिया। उन्होंने इसकी भी जरूरत जतानी शुरू कर दी कि मंदिर प्रबंधन की देख-रेख के लिए किसी सीईओ की नियुक्ति आवश्यक है। आखिर इसकी आवश्यकता पहले क्यों नहीं महसूस की गई? वास्तव में ऐसे एक नहीं अनेक सवाल हैं। समझना कठिन है कि ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी मंदिर की व्यवस्था के संचालन में सक्रिय क्यों नहीं थे? ऐसा क्यों लगता है कि कुछ सदस्य केवल नाममात्र के सदस्य थे? क्या ऐसा इसलिए था कि कुछ लोगों ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया था? सच जो भी हो, यह विचित्र है कि करोड़ों लोगों की आस्था पर आघात पहुंचाने वाले इस मामले के सामने आने के बाद किसी ने भी अपनी नैतिक जिम्मेदारी लेने का साहस नहीं दिखाया। किसी ने भी जांच होने तक ही सही, अपना पद छोड़ने की पेशकश भी नहीं की।

कड़ी कार्रवाई जरूरी

■ आवश्यक हो तो राम मंदिर ट्रस्ट को भंग किया जाए और उसे नए सिरे से गठित किया जाए, क्योंकि मामला करोड़ों रुपए की हेराफेरी का ही नहीं, करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का भी है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिस मंदिर का प्रबंधन आदर्श तरीके से होना चाहिए था, वहां भी ऐसा नहीं किया जा रहा था। ऐसा क्यों नहीं किया जा रहा था, इसके लिए जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। यह खेद की बात है कि अभी तक इस जरूरत की न्यूनतम पूर्ति भी

जेनेरिक दवाएं सस्ती भी, भरोसेमंद भी

● महंगी दवाओं की श्रेष्ठा का भ्रम तोड़ता एक महत्वपूर्ण अध्ययन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली



यह बात अब आम लोगों तक पहुंच चुकी है कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी सस्ती होती हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में डॉक्टरों और नागरिकों के मन में यह धारणा बनी हुई है कि सस्ती होने के कारण इनका गुणवत्ता स्तर कम होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन ने इसी धारणा की पड़ताल की है और कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने रखे हैं। यह अध्ययन न केवल जेनेरिक दवाओं को लेकर फैली भ्रांतियों को चुनौती देता है, बल्कि दवा उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

ब्रांड नाम का खेल

■ दवा कंपनियां अपने ब्रांड नाम को डॉक्टरों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए ब्रांड - उदय चंद - काफ़ी सस्ती होती हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में डॉक्टरों और नागरिकों के मन में यह धारणा बनी हुई है कि सस्ती होने के कारण इनका गुणवत्ता स्तर कम होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन ने इसी धारणा की पड़ताल की है और कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने रखे हैं। यह अध्ययन न केवल जेनेरिक दवाओं को लेकर फैली भ्रांतियों को चुनौती देता है, बल्कि दवा उद्योग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

■ इसके विपरीत, डॉक्टरों की पढ़ाई और प्रशिक्षण दवाओं के जेनेरिक नामों के आधार पर ही होता है। इसलिए जेनेरिक नामों को उनके मन में स्थापित करने के लिए कंपनियों को अलग से कोई खर्च नहीं करना पड़ता। यही कारण है कि ब्रांडेड दवाओं की तुलना में जेनेरिक दवाएं काफी कम कीमत पर उपलब्ध हो सकती हैं।

ज्या केवल महंगी दवाएं ही अच्छी होती हैं?

■ समाज में यह धारणा लंबे समय से प्रचलित है कि प्रसिद्ध और महंगे ब्रांडों की दवाएं ही गुणवत्तापूर्ण होती हैं। लेकिन यह विश्वास ठोस वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित नहीं है। बड़े दवा उद्योगों के वर्षों के प्रचार और डॉक्टरों पर उनके प्रभाव के कारण यह सोच विकसित हुई है।

■ वास्तविकता यह है कि भारत में निम्न गुणवत्ता वाली दवाओं का प्रतिशत अब पहले की तुलना में काफी कम हो चुका है। वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण में देशभर से एकत्र किए गए 1,16,323 दवा नमूनों की जांच की गई। इनमें से केवल 3,104 नमूने यानी लगभग 2.7 प्रतिशत दवाएं गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरती। यद्यपि यह संख्या आदर्श स्थिति में शून्य होनी चाहिए, फिर भी यह बताती है कि अधिकांश दवाएं निर्धारित मानकों का पालन कर रही हैं।

चौंकाने वाला निष्कर्ष

अध्ययन के परिणाम बेहद महत्वपूर्ण रहे। जांच में पाया गया कि महंगे ब्रांड, कम कीमत वाले ब्रांड और जनऔषधि केंद्रों से मिलने वाली जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता में कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं था। यह निष्कर्ष उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो यह मानते हैं कि अधिक कीमत का अर्थ बेहतर गुणवत्ता होता है। अध्ययन से स्पष्ट संकेत मिलता है कि कई मामलों में उपभोक्ता केवल ब्रांड नाम के लिए अतिरिक्त कीमत चुका रहे होते हैं, जबकि दवा की वास्तविक गुणवत्ता समान होती है।

जेनेरिक दवाएं: सस्ती भी, भरोसेमंद भी

महंगी दवाओं की श्रेष्ठा का भ्रम तोड़ता एक महत्वपूर्ण अध्ययन



कोविड के डॉक्टरों और नागरिकों के एक अध्ययन में सामने आया कि महंगी ब्रांडेड दवाओं और जनऔषधि या अन्य जगहों पर मिलने वाली जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता में कोई फर्क नहीं पाया गया।

- सभी दवाओं के 131 नमूनों की जांच की गई
- 5 तरह के प्रयोग किए गए
- गुणवत्ता में कोई अंतर नहीं

जेनेरिक दवा (GENERIC)

सस्ती और प्रभावी

ब्रांडेड दवा (BRANDED)

महंगी

स्वस्थ भारत सशक्त भारत

सुधार की जरूरत

■ दवाओं के नाम के आसपास बने इस कृत्रिम आकर्षण को समाप्त करने और कंपनियों की अत्यधिक मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए वर्ष 1975 से गठित हाथी समिति ने महत्वपूर्ण सिफारिशें की थीं। समिति ने सुझाव दिया था कि वरचबद्ध तरीके से ब्रांड नामों को समाप्त कर केवल जेनेरिक नामों के आधार पर दवाओं की बिक्री की अनुमति दी जाए।

■ सरकार ने 1978 में इस दिशा में कुछ कदम भी उठाए थे, लेकिन बाद में दवा कंपनियों के दबाव के कारण यह पहल आगे नहीं बढ़ सकी। आज आवश्यकता है कि दवाओं के पैकेट पर जेनेरिक नाम को प्रमुखता से लिखना अनिवार्य किया जाए और गुणवत्ता नियंत्रण की सरकारी व्यवस्था को और अधिक सख्त तथा प्रभावी बनाया जाए।

प्रेरक प्रसंग

अच्छा कौन



ट्रेन अपनी रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। खिड़की के बाहर खेत, पेड़ और छोटे-छोटे स्टेशन पीछे छूटते जा रहे थे। एक डिब्बे में चार यात्री आमने-सामने बैठे थे। सफर लंबा था, इसलिए बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। कुछ ही देर में चर्चा भाषाओं पर आ पहुंची। चारों यात्री अलग-अलग पृष्ठभूमि से थे। उनमें एक बंगाली, एक तमिलभाषी, एक एंग्लो-इंडियन और एक हिंदीभाषी ग्रामीण व्यक्ति था। पहले तो वे अपने-अपने शहरों और संस्कृतियों की बातें करते रहे, लेकिन फिर चर्चा इस बात पर होने लगी कि सबसे अच्छी भाषा कौन-सी है। सबसे पहले बंगाली महोदय ने आत्मविश्वास से कहा, बांग्ला दुनिया की सबसे मधुर भाषाओं में से एक है। इस भाषा ने भारतीय साहित्य को अनेक महान कवि, लेखक और विचारक दिए हैं। इसकी कविता और गद्य की अपनी अलग पहचान है। मुझे लगता है कि बांग्ला से सुंदर भाषा दूसरी नहीं हो सकती। उनकी बात समाप्त होते ही तमिलभाषी यात्री मुस्कराए और बोले, आपकी बात अपनी जगह सही है, लेकिन तमिल भाषा का इतिहास बहुत पुराना है। यह संसार की सबसे प्राचीन जीवित भाषाओं में गिनी जाती है। इसका साहित्य अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है। जब कई भाषाएं अपने विकास के शुरुआती चरण में थीं, तब भी तमिल का साहित्य उच्च स्तर पर पहुंच चुका था। इसलिए मेरे विचार से तमिल सबसे श्रेष्ठ भाषा है। अब एंग्लो-इंडियन यात्री भी चर्चा में कूद पड़े। उन्होंने कहा, आप दोनों अपनी-अपनी भाषाओं की प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन अंग्रेजी का मुकाबला किसी भाषा से नहीं हो सकता। यह अंतरराष्ट्रीय भाषा है। दुनिया के अधिकांश देशों में इसे समझा और बोला जाता है। विज्ञान, तकनीक, व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका साहित्य भी अत्यंत समृद्ध है। इसलिए अंग्रेजी सबसे अच्छी भाषा है।

■ तीनों यात्री अपनी-अपनी बातों पर गर्व महसूस कर रहे थे। अब सबकी नजर चौथे यात्री पर गई, जो अब तक चुपचाप उनकी बातें सुन रहा था। वह एक साधारण ग्रामीण व्यक्ति था। उसके चेहरे पर हल्की मुस्कान थी। जब उससे राय पूछी गई तो उसने बड़े सहज भाव से कहा, आप सभी की बातें बिल्कुल सही हैं। हर भाषा अपने आप में महान होती है। लेकिन मुझे एक बात समझ में नहीं आ रही। आप तीनों अपनी-अपनी भाषाओं को सबसे श्रेष्ठ बता रहे हैं, फिर भी इतनी देर से बातचीत हिंदी में ही कर रहे हैं!

■ उसकी बात सुनते ही डिब्बे में कुछ क्षण के लिए सनाटा छा गया। तीनों यात्री एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे। किसी के पास उस सरल प्रश्न का उत्तर नहीं था। उस दिन सबसे समझा कि किसी भाषा की महानता केवल उसके इतिहास या साहित्य में नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने की उसकी क्षमता में भी होती है। हर भाषा सम्मान की अधिकारी है, क्योंकि भाषा का उद्देश्य श्रेष्ठता साबित करना नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ना है।

राशिफल



मेघ- वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।



वृषभ-पाटी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।



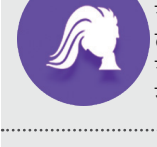
मिथुन- बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।



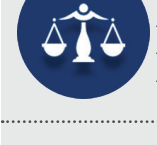
कर्क- थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की विला बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। प्रसन्नता रहेगी।



सिंह- विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा।



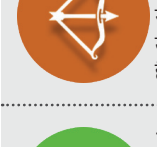
कन्या- उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर खय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।



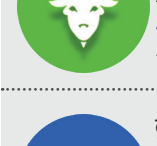
तुला-स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उक्ताने में न आएँ। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।



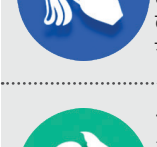
वृश्चिक- दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा।



धनु- आज धन के लेन-देन में ज्यादा जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल नहीं है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी से मन में खिन्नता रहेगी। नौकरी पेशा की योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है जो लाभदायी रहेगा।



मकर- वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लाभ होगा।



कुम्भ- मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है।



मीन- उचित बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। धन लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से पुराने मतभेद दूर होंगे।

राम मंदिर से दान गायब मामले में FIR के बिना SIT ‘बिना तीर की कमान’ है: अखिलेश

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को अयोध्या दान मामले में अभी तक प्राथमिकी दर्ज न होने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि उसके बिना एसआईटी ‘बिना तीर की कमान’ है। उन्होंने कहा कि एसआईटी का मतलब ‘शेयर इन थेफ्ट’ यानी चोरी में हिस्सेदारी है। यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि यह घोर पाप है और आस्था के साथ छेड़छाड़ की गई है। यह चढ़ावा पूरे राज्य और देश का था और योगदान अंतरराष्ट्रीय स्तर से भी आया था। यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है।

‘चढ़ावा-चंदा-दान’ चोरी का नया भंडाफोड़

उन्होंने कहा कि जिस तरह हर दिन ‘चढ़ावा-चंदा-दान’ चोरी का नया भंडाफोड़ हो रहा है और सनातनी आस्थावानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है, उसे देखकर नेपाल और बाकी बार्डर बंद कर देने चाहिए, जिससे आरोपी फरार न हो सकें। यादव ने कहा कि जब अभी खुलासे हो ही रहे हैं तो एसआईटी की जांच क्या हासिल कर लेगी। खासतौर से तब जब यह ‘जांच’ से ज्यादा ‘ढोंक’ के लिए बनी है या फिर ‘बाट’ के लिए। लखनऊ के अग्निकांड की चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि यह घटना कोई नियमित दुर्घटना नहीं थी, यह सरकार और प्रशासन की विफलताओं को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस, प्रशासन और सरकार ने समय रहते सुरक्षा मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित किया होता, तो वहां जान गंवाने वाले अधिकांश बच्चों और अन्य लोगों को बचाया जा सकता था।

प्रभावित परिवारों के प्रति अखिलेश ने जताई सहानुभूति
यादव ने आरोप लगाया कि अधिकारी आम की पिछली घटनाओं से सबक लेने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हमने सुना है कि लोग फोन करते रहे। पहले तो कौल का जवाब नहीं दिया गया और जब जवाब दिया भी गया तो बताया गया कि मदद तुरंत नहीं पहुंच सकती। यादव ने बनाव उपकरणों की पर्याप्तता पर भी सवाल उठाया और सुझाव दिया कि त्वरित हस्तक्षेप के माध्यम से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते छत से दीवार काट दी गई होती, तो शायद कई बच्चों को बचाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि खबर से पता चलता है कि कई लोगों की मौत जलने के बजाय घन घुटने से हुई है। प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए यादव ने मुआवजा बढ़ाने की मांग दोहराई।

जो मंदिर की रक्षा नहीं कर सकता है वो आपकी क्या करेगा: स्वामी प्रसाद मौर्य

अपने विवादित बयानों को लेकर हमेशा चर्चित रहने वाले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर सुर्खियों में हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भगवान राम को लेकर कुछ ऐसा बयान दे डाला कि सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। स्वामी के बयान पर साधु-संतों ने भी आपत्ति जताते हुए टिप्पणी की है। स्वामी के विवादित बयान को लेकर वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर एसआईटी की जांच जारी है। इस बीच स्वामी प्रसाद मौर्य ने विवादित बयानबाजी करके सियासी माहौल गर्म कर दिया है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, करोड़ों रुपया लुटेरे लूट ले गए। मंदिर और दरबार में भी लूटपाट हुई। चांदी और सोना भी उड़ा ले गए लेकिन वो भगवान राम उन लुटेरों को सजा नहीं दे पाया तो आप का भला क्या कर सकता है? जो अपने मंदिर की रक्षा नहीं कर सकता वो आप की रक्षा क्या करेगा? इस पर सवाल उठता है। स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो तरह-तरह की टिप्पणियां आनी शुरू हो गईं।



स्वामी के बयान पर साधु-संतों ने जताई नाराजगी

भगवान राम को लेकर दिए गए स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान को लेकर साधु-संतों ने भी नाराजगी जताई। महामंडलेश्वर विष्णुदास ने कहा कि मौर्य सनातन के दुश्मन हैं। उनकी जीभ काटकर लाने वाले को पांच लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर है, इस मंदिर से राम भक्तों की विशेष आस्था है, लेकिन स्वामी मौर्य राम भक्त नहीं हैं। वे संस्कृति और सनातन दोनों के दुश्मन हैं।

सनातन को लेकर पहले भी तीखी बयानबाजी कर चुके हैं स्वामी

हिंदुओं को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा दिया जाने वाला विवादित बयान कोई नहीं नहीं है। पहले भी स्वामी हिंदुओं को लेकर विवादित बयानबाजी कर चुके हैं। तीन साल पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस को लेकर टिप्पणी की थी। स्वामी ने रामचरितमानस की कुछ चौपाइयों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें दलितों, महिलाओं के खिलाफ बताया था। इस मामले में स्वामी पर एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी।

36 राफेल विमानों के सपोर्ट टेंडर ने पाकिस्तानी प्रोपेगैंडा की खोली पोल

राहुल गांधी पर हमलावर हुई भाजपा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी ने ऐसी बातें कहीं जो पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा जैसी थीं। भाजपा ने आरोप लगाया कि राफेल फाइटर जेट्स के बारे में इस्लामाबाद के दावों पर सबूत मांगने के बजाय राहुल ने सरकार से सवाल पूछना बेहतर समझा। यह नया राजनीतिक हमला तब हुआ जब बीजेपी ने एयर फोर्स के हालिया टेंडर का जिफ्र किया। इस टेंडर में सभी 36 फाइटर जेट्स के लिए सपोर्ट पैकेज का मांगा गया था।

एयर फोर्स ने जारी किया 36 राफेल विमान के रख रखाव के टेंडर
ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल विमानों को मार गिराने का पाकिस्तान का दावा झूठा साबित हुआ है। भारतीय वायु सेना ने फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान के रख रखाव के लिए टेंडर जारी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इस तरह की कई खबरें प्रकाशित हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने चीन की मदद से एक किल घेन तैयार की थी जिसमें राफेल लड़ाकू विमानों के पायलटों को अपने बचाव में कोई कदम उठाने का मौका नहीं मिला और चीन से मिले जे- 10सी लड़ाकू विमान में लगी पीएल- 15 मिसाइलों ने राफेल को मार गिराया।

बीजेपी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना



BJP ने इसे इस बात का सबूत बताया कि संघर्ष के दौरान कई राफेल गिराने का पाकिस्तान का पुराना दावा गलत साबित होता है। इस हमले की अगुवाई करते हुए BJP IT सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि जब पाकिस्तान राफेल जेट्स को गिराने के दावे कर रहा था, तब राहुल गांधी ने इस्लामाबाद से सबूत मांगने के बजाय केंद्र सरकार से सवाल पूछे। मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, जब भारत राष्ट्रीय सुरक्षा की एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा था, तब राहुल गांधी ने ऐसे सवालों और बातों को बढ़ावा दिया जो भारतीय राफेल फाइटर जेट्स के बारे में पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा से मेल खाते थे।

टेंडर दस्तावेज ने निकाली प्रोपेगैंडा की हवा

दरअसल, पाकिस्तान की सरकार और वहां के इंटरनेट मीडिया हैंडल्स लगातार यह झूठा प्रचार कर रहे थे कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना ने भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया है। भारत ने हमेशा इन दावों को अफवाह और प्रोपेगैंडा बताकर खारिज किया था। अब 15 जून 2026 में भारतीय वायु सेना के एयर हेडक्वार्टर द्वारा जारी की गई एक रिक्वेस्ट फॉर प्रोजेजल ने इस झूठ को आधिकारिक तौर पर बेनकाब कर दिया है।

राफेल बेड़े के लिए ब्रिज सपोर्ट पैकेज

आईएनएस के अनुसार वायु सेना ने अपने पूरे राफेल बेड़े के लिए पांच महीने का ब्रिज सपोर्ट पैकेज (रखरखाव और तकनीकी सहायता) मांगा है। इस सरकारी दस्तावेज में साफ-साफ लिखा है कि यह रखरखाव सभी 36 राफेल विमानों के लिए है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल विमानों ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। राफेल में लगी घातक मितियोर व स्कैल मिसाइलों और आधुनिक स्क्वैड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट के सामने पाकिस्तानी वायुसेना टिक नहीं पाई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपनी वायु सेना की ताकत को और मजबूत करने के लिए फ्रांस की दासी एरिअरन से 114 अतिरिक्त राफेल फाइटर जेट खरीदने की प्रक्रिया पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

‘अयोध्या, उज्जैन तो झांकी’ हैं, काशी-मथुरा बाकी हैं... : पवन खेड़ा



कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ जमीन की खरीद से जुड़े आरोपों को लेकर न्यायिक जांच की मांग दोहराते हुए बुधवार को सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या और उज्जैन में हो रही ‘लूट’ पर चुप क्यों हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि ‘जमीन घोटाले’ की स्वतंत्र जांच के लिए जरूरी है कि मोहन यादव को पद से हटाया जाए। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अयोध्या, उज्जैन तो झांकी हैं, काशी-मथुरा बाकी हैं।

राम मंदिर से विदेश के लोगों की भी आस्था जुड़ी है

उन्होंने आरोप लगाया कि इन स्थानों पर भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के लोग लूट की तैयारी कर रहे हैं। खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि उज्जैन और अयोध्या से देश ही नहीं, बल्कि विदेश के लोगों की भी आस्था जुड़ी है। इन तीर्थ स्थलों से पैसा लूटना आस्थावान लोगों की पीठ में खंजर घोंपने जैसा है। उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ होने वाला है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री को है और उससे जुड़ी फाइलें उनसे होकर गुजरती हैं इसलिए वह अपनी कलम की ताकत से हेरफेर कर सकते हैं। ऐसे में मोहन यादव ने अपने परिवार के साथ मिलकर उज्जैन में सैकड़ों एकड़ जमीन खरीद ली।

मोहन यादव से सार्वजनिक रूप से सवाल पूछे

उन्होंने दावा किया कि मोहन यादव और खांडे के पद पर बने रहने का कारण ‘गेर-पंजीकृत संगठन’ आरएसएस है क्योंकि दोनों उसी से जुड़े हैं और अयोध्या के मामले में भी इसी संगठन के लोग शामिल हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि कांग्रेस ने इस बारे में भाजपा, भाजपा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री और मोहन यादव से सार्वजनिक रूप से सवाल पूछे थे। इन सवालों को पूरे 30 घंटे हो गए लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। अगर भाजपा इस बारे में जवाब नहीं दे रही तो मतलब दाल में कुछ काला है।

दान का सोना-चांदी निगल रहे हैं

उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ बोलने और कार्रवाई करने की उम्मीद नहीं है। वह विदेश में मेलोडी और देश में झालमुड़ी खाएंगे तथा उनके मुख्यमंत्री जमीनों और दान का सोना-चांदी निगल जाएंगे खेड़ा ने इस बात का उल्लेख किया कि अरुणाचल प्रदेश से जुड़े एक मामले का उच्चतम न्यायालय ने संज्ञान लिया लेकिन मुख्यमंत्री पेमा खांडू अब भी कुर्सी पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि वही हाल अब मध्य प्रदेश में भी है।

धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ेगा: खरगे

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को प्रदर्शनकारी छात्रों को कथित तौर पर ‘आतंकवादी’ कहने को लेकर शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें इस्तीफा देना ही पड़ेगा। खरगे ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि देश में कई पेपर लोक होने से करोड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और नोट पेपर लीक प्रकरण से कई परिवार तबाह हो गए हैं। खरगे ने दावा किया कि ऐसी स्थिति में शिक्षा मंत्री छात्रों को ‘दहशतगर्द’ बता रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि जो लोग सरकार से सवाल पूछते हैं, उन्हें ‘देशद्रोही’ बताया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश खर नहीं भूला है कि उन्होंने संसद में किसानों के लिए ‘आंदोलनजीवी’ शब्द का इस्तेमाल किया था। खरगे ने कांग्रेस की मुहिम ‘छात्रों की गुंज’ का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना ही पड़ेगा।

कांग्रेस छोड़ने वाले युवा नेताओं की पार्टी में वापसी शर्मनाक होगा- जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि सत्ता और संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का लाभ उठाने के बाद कांग्रेस छोड़ने वाले युवा नेताओं की पार्टी में कभी वापसी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि यह उनकी निजी राय है। उनका कहना है कि इस तरह के नेताओं को कांग्रेस में फिर से शामिल करने के बारे में विचार करना भी ‘शर्मनाक’ होगा। रमेश ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस में बने रहे लोग वैचारिक रूप से पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध हैं और पार्टी को फिर से मजबूत देखना चाहते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ युवा नेताओं ने सत्ता

और संगठन में लाभ उठाने के बाद कांग्रेस छोड़ दी तथा ऐसी पार्टी का रुख किया जिसकी विचारधारा कांग्रेस से ‘बिल्कुल विपरीत’ है। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद और मिलिंद देवड़ा सरीखे नेता भविष्य में कांग्रेस में वापसी की कोशिश करते हैं तो क्या उन्हें वापस लेना चाहिए, तो रमेश ने कहा कि मैं किसी व्यक्ति विशेष के बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग सत्ता और संगठन में विभिन्न पदों रहते हुए लाभ उठाने के बाद, पार्टी के सबसे बड़े लाभार्थी होने के बावजूद पार्टी छोड़कर चले गए, उनके लिए वापस आने पर विचार करना भी हमारे लिए शर्मनाक होगा।

सम्राट कैबिनेट में 47 एजेंडों पर लगी मुहर,

बिहार में खुलेंगी 5 नई प्राइवेट यूनिवर्सिटी



हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार सरकार की कैबिनेट बैठक में आम लोगों, छात्रों और युवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 47 एजेंडों को मंजूरी दी गई। सरकार का फोकस शिक्षा, रोजगार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर रहा। बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र प्रसाद यादव समेत सभी विभागों के मंत्री मौजूद रहे। कई विभागों से आए प्रस्तावों पर चर्चा के बाद उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा फैसला
कैबिनेट का सबसे बड़ा निर्णय शिक्षा विभाग से जुड़ा रहा। राज्य सरकार ने बिहार के पांच जिलों में नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और संचालन को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मधुबनी में शांजा विश्वविद्यालय, नवादा में एस.ए. विश्वविद्यालय, पटना में हिमालय विश्वविद्यालय, औरंगाबाद में सीतयोग विश्वविद्यालय तथा सिवान में एक नए निजी विश्वविद्यालय की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है।

छात्रों को मिलेगा बड़ा फायदा
सरकार का मानना है कि नए विश्वविद्यालय खुलने से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों का रुख कम करना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे। विशेषज्ञों का भी मानना है कि इससे राज्य में शैक्षणिक माहौल को मजबूती मिलेगी।

रोजगार के नए अवसर भी होंगे पैदा
नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से केवल शिक्षा का विस्तार नहीं होगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए नौकरियों के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर-जनकल्याण पर फोकस
कैबिनेट बैठक में राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और विकास कार्यों को गति देने से जुड़े प्रस्तावों पर भी मुहर लगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में सड़क, शिक्षा, रोजगार और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कैबिनेट की इस बैठक को विकास और शिक्षा के नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खासकर पांच नए निजी विश्वविद्यालयों की मंजूरी को राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ा कदम बताया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि इन फैसलों से बिहार में शिक्षा, रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे और राज्य के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

असम यात्रा रद्द

जापान के प्रधानमंत्री का गुवाहाटी दौरा केवल दिल्ली तक सीमित

पंकज नाथ @ असम

जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची की आसन्न असम यात्रा का गुवाहाटी दौर रद्द कर दिया गया है और अब उनकी यात्रा केवल नई दिल्ली तक सीमित रहेगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा के अनुसार विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने राज्य सरकार को बताया कि गुवाहाटी दौरे को ‘लॉजिस्टिकल इश्यू’ के कारण रद्द किया गया है, हालांकि अभी तक दौरे के ठोस कारणों का विस्तृत विवरण राज्य सरकार को प्रदान नहीं किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार असम सरकार को अभी तक यात्रा रद्द करने का सटीक कारण नहीं बताया गया है। जानकारी मिलने पर ही आगे की तैयारियों पर पुनर्विचार किया जाएगा, लेकिन फिलहाल गुवाहाटी में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम और सभाएँ अब स्थगित मानी जा रही हैं। Hindustan Times में उद्धृत स्रोतों ने कहा है कि जापान के प्रधानमंत्री की संसद की कार्यवाही और घरेलू जिम्मेदारियों के कारण उनका समय बहुत सीमित था। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली के बाहर यात्रा पर जाने से जुड़ी अतिरिक्त लॉजिस्टिक्स और समय-समय से मेल न खाने वाले कारण भी गुवाहाटी दौर रद्द होने के पीछे प्रमुख कारण रहे। कई प्रमुख अखबारों की रिपोर्टों में भी यही बात दोहराई गयी कि गुवाहाटी दौरे में व्यवधान का मुख्य कारण लॉजिस्टिकल परेशानियों और शेड्यूल की सीमाएँ थीं। असम सरकार और केंद्र सरकार के अधिकारी फिलहाल यात्राक्रम में हुए बदलाव पर आधिकारिक बयान जारी करने के लिए विचार कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने संभावित सुरक्षा व आयोजन संबंधित तैयारियों को फिलहाल रोक दिया है, जबकि गुवाहाटी में उम्मीद की जा रही बैठकों और स्वागत समारोहों के आयोजक अब आगे की सूचना का इंतजार कर रहे हैं। यह फैसला स्थानीय व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी असर डाल सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री की यात्रा से जुड़ी कई योजनाओं और कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले थे।

हिंदमाता एंकर: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने सरपंचों को 1200 रुपए मानदेय देने का वादा किया था, लेकिन उसे कभी पूरा नहीं किया गया

सीएम भगवंत मान का बड़ा ऐलान: पंजाब में 15 अगस्त से हर महीने सरपंचों को मिलेंगे 10 हजार रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ बठिंडा
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ग्राम पंचायतों को मजबूत करने और गांवों के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सभी सरपंचों के मासिक मानदेय में पांच गुना वृद्धि का ऐलान किया है। बठिंडा में आयोजित ‘सरपंच मिलनी’ कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से पंजाब के प्रत्येक सरपंच को 2,000 रुपए के स्थान पर 10,000 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरपंच गांवों के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए दिन-रात कार्य करते हैं। ऐसे में उन्हें सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी न केवल सरपंचों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि उन्हें गांवों के विकास कार्यों में और अधिक सरपंच के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगी।



सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि करदाताओं के पैसे का एक-एक रुपया जनता के हित में खर्च होना चाहिए। उन्होंने सरपंचों को गुटबाजी और अनावश्यक हस्तक्षेप से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि अतीत में कई गांवों में विकास कार्य गुटबाजी के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि चुने जाने के बाद सरपंच

जनकल्याण के लिए और बड़े फैसले लेगी मान सरकार
मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस फैसले की जानकारी साझा करते हुए कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की पहली सीढ़ी हैं और सरपंच गांवों की सेवा में निरंतर जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास ही पंजाब की तरक्की का आधार है और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए ऐसे फैसले आगे भी लेती रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने सरपंचों को 1200 रुपए मानदेय देने का वादा किया था, लेकिन उसे कभी पूरा नहीं किया गया। उनकी सरकार ने पहले सरपंचों को 2,000 रुपये मानदेय देना शुरू किया और अब इसे बढ़ाकर 10,000 रुपए कर दिया गया है।

किसी एक समूह का नहीं बल्कि पूरे गांव का प्रतिनिधित्व होता है और उसे सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने सरपंचों से गांवों को नशा मुक्त बनाने, सामाजिक सद्भाव बनाए रखने और भाईचारे को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने का भी आह्वान किया।

योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में सरपंचों और पंचों का योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत राज संस्थाएँ लोकतंत्र की नींव हैं और देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है। इसलिए पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में सरपंचों और पंचों का अहम योगदान होता है। भगवंत मान ने सरपंचों से आह्वान किया कि वे गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता दें और सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के विकास के लिए पर्याप्त अनुदान जारी कर रही है और इन निधियों का उपयोग पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ किया जाना चाहिए।

कोड़े से पिटाई, पिटबुल कुत्तों का पहरा

यूपी में 2 साल से कैद थे 13 मजदूर!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरनगर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में श्रम विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को एक बड़ी छापेमारी की है। टीम ने एक झोला बनाने वाली फैक्ट्री में चल रहे बंधुआ मजदूरी के बड़े खेल का भंडाफोड़ किया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान फैक्ट्री की ऊंची दीवारों के पीछे बंधक बनाकर रखे गए 13 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। ये मजदूर पिछले करीब दो साल से वहां कैद थे और नरक से बदतर ज़िंदगी जी रहे थे। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक मजदूर किसी तरह फैक्ट्री की सुरक्षा को चकमा देकर भाग निकला। उसने स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचकर अधिकारियों को सारा माजरा सुनाया। इसके बाद ही पुलिस ने फैक्ट्री पर छापा मारा।

मोटी सैलरी का लालच देकर लाए गए थे मजदूर

फैक्ट्री की कैद से छूटे इन मजदूरों ने मालिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मजदूरों ने बताया कि उन्हें अच्छे काम और मोटी तनख्वाह का लालच देकर यहां लाया गया था। लेकिन फैक्ट्री पहुंचते ही उनके मोबाइल फोन और आधार कार्ड छीन लिए गए। मजदूरों ने बताया कि उन्हें उनके परिवारों से पूरी तरह काट दिया गया ताकि वो किसी से संपर्क न कर सकें। मजदूरों को भामने से रोकने के लिए फैक्ट्री परिसर में दो खूंखार पिटबुल कुत्ते भी पाले गए थे, जिन्हें देखकर मजदूर हमेशा डरे रहते थे।

3446 युवाओं को मिला सरकारी नौकरी करने का अवसर

सरकार ने चुने गए अभ्यर्थियों को दी बधाई



हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथसरकार में युवाओं को सरकारी सेवा के अपने सपने को पूरा करने का फिर एक शानदार अवसर मिला है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने प्राविधिक सहायक थुप-सभी पद पर 3446 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 13 जुलाई 2025 को इसकी लिखित परीक्षा कराई थी। मंगलवार (23 जून) को परिणाम घोषित किया गया। कृषि निदेशक रिक्त पदों के अनुरूप जनपदों में इन अभ्यर्थियों को नियुक्त करेंगे।

किस वर्ग से कितने अभ्यर्थियों का चयन?

चयनित अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सुर्य प्रताप शाही ने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि सामान्य वर्ग के 1813, अनुसूचित जाति के 509, अनुसूचित जनजाति के 151, अन्य पिछड़ा वर्ग के 629, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर 344 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने भी सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी।

राम मंदिर चंदा चोरी विवाद: हमारी 200 चांदी की ईंटों का क्या हुआ?

राम मंदिर दान को लेकर कारोबारी ने उड़ाए सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ अयोध्या

जहां एक तरफ अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी में हेराफेरी का मामला देश भर में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर इस मामले को लेकर हर दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। चंदा चोरी मामले को लेकर पहले ही राज्य सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। जिसने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी है। इसी बीच कैसल ग्रुप ऑफ कंपनीज के एमडी ने नया खुलासा किया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

कहां हुआ दान की गई चांदी का इस्तेमाल

डॉ। राजू ने कहा कि पहले उन्होंने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया कि उनकी दान की गई चांदी मंदिर में जाण्गा या कहीं और इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब जब चढ़ावा चोरी की खबरें सामने आई हैं तो यह चिंता सता रही है कि क्या उनकी दान की गई चांदी का इस्तेमाल किसी गलत जगह तो नहीं हुआ ?

हिंदमाता एंकर: **कई अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले, कुछ में गैस नहीं थी तो कुछ में पानी की व्यवस्था ही नहीं थी, कई उपकरण ऐसे मिले जो केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे**

अस्पतालों में फायर सिस्टम निकला 'शोपीस', अफसरों की खुली पोल

हिंदमाता संवाददाता @ लखनऊ

लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने सभी को झकझोर दिया है। इस हादसे के बाद शासन स्तर पर सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सख्ती बढ़ गई है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद प्रदेशभर में अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों और भीड़भाड़ वाले संस्थानों की जांच शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में बांदा में तो तस्वीर सामने आई, उसने न सिर्फ अधिकारियों को हैरान किया बल्कि पूरे सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए। बुधवार को बांदा मंडल के कमिश्नर अजीत सिंह अचानक फील्ड में उतर गए। उनका उद्देश्य था यह देखना कि कागजों में दुरुस्त दिखाई जाने वाली फायर सेफ्टी व्यवस्था जमीन पर कितनी प्रभावी है। लेकिन निरीक्षण के दौरान जो दृश्य सामने आया, उसने कई विभागों की कार्यप्रणाली को पोल खोल दी। कमिश्नर ने शहर के कई बड़े निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। पहली नजर में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दिया। दीवारों पर अग्निशमन यंत्र टंगे हुए थे, सुरक्षा के बोर्ड भी लगे थे और रिकार्ड भी दुरुस्त दिखाए जा रहे थे। लेकिन जब इन उपकरणों की वास्तविक स्थिति जांची गई तो तस्वीर पूरी तरह बदल गई। कई अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले। कुछ में गैस नहीं थी तो कुछ में पानी की व्यवस्था ही नहीं थी। कई उपकरण ऐसे मिले जो केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे और आपात स्थिति में उनका कोई उपयोग नहीं हो सकता था। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने नाराजगी जताते हुए पूछा कि अगर किसी अस्पताल में आग लग जाए तो मरीजों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? उनके इस सवाल पर मौके पर मौजूद अधिकारी जवाब देने की स्थिति में नहीं दिखाई दिए।

घायलों से मिलकर बोले अखिलेश- 1 करोड़ दें

ब्रजेश ने कहा- मौत पर राजनीति न करें

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड को लेकर सियासत तेज हो गई है। एक तरफ समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केजीएमयू पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और मृतकों के परिजनों को कम से कम 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव पर मौतों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। मंगलवार को केजीएमयू पहुंचे अखिलेश यादव ने घायलों का हालचाल जाना और हादसे पर गहरा दुःख जताया। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा नियमों और मानकों का पालन किया गया होता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण कई लोगों की जान गई। अखिलेश यादव ने बताया कि उन्होंने एक गंभीर रूप से घायल युवक से मुलाकात की है, जिसकी रीढ़ की हड्डी में चोट आई है। उनके अनुसार युवक ने जान बचाने के लिए ऊंचाई से छलांग लगाई थी।।उन्होंने कहा कि युवक का इलाज लंबे समय तक चलेगा और वह अपने परिवार का अकेला कमाने वाला सदस्य है। ऐसे में सरकार को उसके पूरी तरह स्वस्थ होने तक वeten की व्यवस्था करनी चाहिए। सपा प्रमुख ने मांग की कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाए और मृतकों के परिजनों को कम से कम 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ित परिवारों की जिम्मेदारी उठानी चाहिए क्योंकि अगर सरकार मदद नहीं करेगी तो आखिर कौन करेगा।



अखिलेश और ब्रजेश पाठक आमने-सामने

उत्तर, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि इस दर्दनाक घटना में 15 लोगों की जान गई है और ऐसे समय में राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अलीगंज अग्निकांड अखिलेश सरकार के समय हुए भ्रष्टाचार और लापरवाही का परिणाम है। ब्रजेश पाठक ने आरोप लगाया कि प्लॉट आवंटन से लेकर भवन निर्माण और नगरा पास कराने तक की प्रक्रिया अखिलेश सरकार के दौरान हुई थी। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई होने के बावजूद ध्वस्तीकरण के आदेश को रद्द कर दिया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस दबाव में ऐसा फैसला लिया गया।

लखनऊ अग्निकांड पर सियासत तेज

डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना की लगातार निगरानी कर रहे हैं। घटना के बाद चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है और मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि वर्ष 2014 में आवासीय नक्शा पास किया गया था।

सामने मौत, चारों ओर बढ़ता पानी, टापू पर फंसी 11 जिंदगियां

हिंदमाता नेटवर्क @ सोनभद्र

सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र स्थित रेणुका घाट पर सोमवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब रेणु नदी के बीच बने एक टापू पर 11 पर्यटक फंस गए। नदी में अचानक बड़े जलस्तर के कारण पर्यटकों के बाहर निकलना मुश्किल हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन और पुलिस तुरंत हरकत में आ गई। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम 11 पर्यटक रेणुका घाट घूमने पहुंचे थे। घूमने के दौरान सभी लोग रेणु नदी के बीच बने टापू पर पहुंच गए। इसी बीच बांध से पानी छोड़ा गया, जिससे नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। कुछ ही समय में नदी का पानी बढ़कर टापू के चारों ओर फैल गया और सभी पर्यटक वहां फंस गए। नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण पर्यटकों के लिए सुरक्षित रूप से वापस लौटना संभव नहीं रहा। देखते ही देखते स्थिति गंभीर हो गई और टापू पर मौजूद लोगों में चिंता बढ़ने लगी। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन को मामले की जानकारी मिली। घटना की सूचना मिलते ही ओबरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने हालात का जायजा लिया और तुरंत बचाव कार्य शुरू करने की तैयारी की। हालांकि अंधेरा होने के कारण राहत और बचाव अभियान चलाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद पुलिस और प्रशासन ने पर्यटकों को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी रखे।



रेणु नदी के बीच बने टापू पर फंस गए थे 11 पर्यटक

बताया गया कि पुलिस ने डेम प्रबंधन से समन्वय स्थापित किया और कुछ समय के लिए पानी छोड़े जाने की प्रक्रिया को रुकवाया गया। इसके बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। कई घंटे की मेहनत और मशक्कत के बाद सभी 11 पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हाताहत होने की सूचना नहीं है। सभी पर्यटक सुरक्षित हैं। हालांकि इस घटना ने रेणुका घाट की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

घटना के बाद स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने घाट पर बेहतर सुरक्षा इंतजाम करने की मांग उठाई है। फिलहाल सभी पर्यटकों को सुरक्षित बना लिया गया है, लेकिन रेणुका घाट पर हुई यह घटना लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

लखनऊ अग्निकांड में बड़ा खुलासा !

एलडीए की जांच में 18 अधिकारी और इंजीनियर पाए गए दोषी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में तीन मंजिला इमारत में सोमवार दोपहर आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई। यह इमारत एक 'डेथ ट्रेप' बन गई क्योंकि इसमें आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था। उस अकेले रास्ते में एयर-कंडीशनिंग पैनल, लोहे हुए तार और दूसरे उपकरण लगे हुए थे, जिससे आग फैलने पर अंदर फंसे लोगों के लिए बाहर निकलने के लिए बहुत कम जगह बची थी। मामले में आग नए अपडेट के मुताबिक, अग्निकांड में एलडीए की जांच में 18 अधिकारी और इंजीनियर दोषी पाए गए हैं। एलडीए उपाध्यक्ष ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट शासन को भेज दी है। दोषियों में पांच जोनल अधिकारी सहित कुल 18 इंजीनियर और संबंधित अधिकारी शामिल बताए गए हैं। इससे पहले एलडीए एक जूनियर इंजीनियर और एक असिस्टेंट इंजीनियर को निलंबित कर चुका है।



बिल्डिंग का हो रहा था गलत इस्तेमाल !

जांच में सामने आया है कि बिल्डिंग का मक़दम आवासीय उपयोग के लिए अप्रुव कराया गया था। अप्रुव हुए भेप के उद्देश बिल्डिंग का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि सा 2016 में अवैध निर्माण के खिलाफ जारी ध्वस्तीकरण आदेश बाद में निरस्त कर दिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, तत्कालीन विहित प्राधिकारी द्वारा श्रौवास्त्र ने ध्वस्तीकरण आदेश निरस्त किया था। हादसे वाली इमारत में धुआं बाहर निकालने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। आग लगने के बाद पूरी बिल्डिंग और कमरों में धुआं भर गया, जिससे ज्यादातर लोगों की मौत दम घुटने की वजह से हुई।



24 घंटे का अल्टीमेटम

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर अजीत सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरण निष्क्रिय पाए गए हैं, उन्हें 24 घंटे के भीतर पूरी तरह चालू किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं है। उनका सक्रिय और उपयोग योग्य होना जरूरी है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कमियां दूर नहीं की गईं तो संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समयसीमा पूरी होने के बाद दोबारा निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

कोचिंग सेंटरों पर भी सख्ती

लखनऊ हादसे के बाद सबसे अधिक फोकस कोचिंग संस्थानों पर है। बांदा में भी बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विभिन्न कोचिंग सेंटरों में पढ़ाई करते हैं। ऐसे में प्रशासन अब कोचिंग संस्थान लेने के मुद्द में नहीं है। कमिश्नर ने साफ कहा कि बिना सक्रिय फायर सेफ्टी सिस्टम वाले किसी भी कोचिंग सेंटर में पढ़ाई नहीं होगी। जिन संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था अधूरी है, उन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शॉर्ट स्टोरी

वह सनातन के लिए लड़ता था...

बोले बाबा बागेश्वर

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के भोजपुर में भरत तिवारी एककाउंटर को लेकर बाबा बागेश्वर धीरे-दर शास्त्री का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी की बारे में मुझे जानकारी हुई है। वह हिंदू और सनातनी लड़का था, जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। प्रशासन के सामने उसने सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने उस पर गोली चलाई। यह मुझे पता चला है। धीरे-दर शास्त्री ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। अगर वो शपथी था तो न्यायापालिका से उसको दंड मिलना चाहिए था। धीरे-दर शास्त्री ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहूंगा कि मामले की जांच करें। अगर भगवान ने चाहा तो भरत तिवारी के परिवार से भविष्य में मिलेंगे। जो हुआ, वह सही नहीं हुआ। बता दें कि भोजपुर में 17 जून को भरत तिवारी का एनकाउंटर कर दिया गया था। इस मामले को लेकर भरत के परिजनों ने कहा था कि ये एनकाउंटर नहीं, बल्कि हत्या है। क्योंकि भरत ने पुलिस के सामने हथियार फेंक दिया था और सरेंडर कर दिया था। इसके बाद भी पुलिस ने उसे घेरकर गोली मार दी। इस मामले में भरत की मां ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कैसे दर्ज करने की एप्लिकेशन दी थी। इसी को लेकर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीओ राजेश कुमार शर्मा, शाहपुर बनाध्वक्ष राजेश कुमार मालाकार सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। वहीं आज इस मामले को लेकर भरत के गांव में महापावत हो रही है, जिसमें परिजनों के साथ-साथ आसपास गांव के लोग शामिल हो रहे हैं। इस मामले में राजद सांसद सुधाकर सिंह ने एसटीएफ कीहुं कुंदन कृष्णा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

राइफल है, छोड़ूंगा नहीं, पुलिस को दी खुली चुनौती, घंटों में गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ मोतिहारी



युवक कुछ ही घंटों में सलाखों के पीछे पहुंच गया। वायरल वीडियो में युवक पुलिस कार्रवाई से नाराज दिखाई दे रहा था और कथित तौर पर हथियार उठाकर मुकाबला करने तक की बात कह रहा था। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, युवक ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। वीडियो में वह पुलिस पर उसे और उसके परिवार को परेशान करने का आरोप लगाता दिखाई दे रहा था। साथ ही उसने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि उसे बेजजब प्रताड़ित किया गया तो वह किसी को नहीं छोड़ेगा। वीडियो में उसने यह दावा भी किया कि मैं राइफल चलाना जानता हूँ, और हथियारों की कोई कमी नहीं है। युवक ने वीडियो में एक स्थानीय थानाध्यक्ष सीमा कुमारी का नाम लेते हुए भी भद्दे कमेंट किए और परिणाम भुगतने में चेतावनी दी। उसने यह भी कहा कि यदि पुलिस को उसका कोई पृष्ठछाप करनी है तो सीधे उसे बुलाया जाए, वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है। हालांकि वीडियो में इस्तेमाल की गई भाषा और पुलिस को दी गई कथित धमकियां ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगा। इसके बाद मोतिहारी पुलिस एक्शन में आई। पुलिस ने वीडियो की सत्यता और युवक की पहचान की जांच शुरू की। पड़ताल के दौरान युवक की पहचान सुंदरपुर निवासी सौरभ कुमार के रूप में की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून को चुनौती देने और सार्वजनिक मंच पर धमकी भरे बयान देने जैसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

'मायके छोड़ दूंगा..' कहकर पत्नी और 3 बच्चों को नहर में फेंक दिया

हिंदमाता नेटवर्क @ पश्चिम चंपारण



बिहार के पश्चिम चंपारण में दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और 3 बच्चों को नहर में फेंक दिया। बच्चों की मौत हो गई, वहीं महिला की जान बच गई है। इस घटना में पता चला तो परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। घटना कुमारागंगा थाना क्षेत्र के भंगहा गांव की है। यहां रहने वाले रामबाबू यादव पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों को नहर में फेंक दिया, जिससे तीनों बच्चों की हूबने से मौत हो गई। पत्नी की जान बच गई। भंगहा गांव के रहने वाले लोहिर यादव के पुत्र रामबाबू यादव का कहना है कि उसने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को बाइक पर बैठाकर पर से निकला। उसने पत्नी को यह कहकर साथ लिया कि उसे मायके मझौलिया थाना क्षेत्र के बिरवा गांव पहुंचा देगा। लोहियारिया चौक से आगे ध्वरहीया गांव के पास बरोहिया नहर के नजदीक पहुंचने पर रामबाबू ने पहले पत्नी को नहर में धक्का दे दिया। फिर एक-एक कर तीनों बच्चों को भी वहीं नहर में फेंक दिया। ललिताल किसी तरह तेकर बाहर निकल आई और अपने मायके पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। झर भगलवार की सुबह नहर में एक बच्ची का शव देख ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पहचान नहीं हो पाई तो पुलिस ने शव को अज्ञात मानते हुए पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएफ भेज दिया। इसी बीच दोपहर बाद नहर से दो अन्य बच्चों के शव भी बरामद होने से हड़कंप मच गया। दो शव ग्रामीणों को पकड़ कर निकाले गए, जबकि एक शव पुलिस ने बरामद किया। इसके बाद तीनों बच्चों की पहचान रामबाबू यादव के पुत्र-पुत्रियों के रूप में हुई। घटना के निष्कर्षों की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में भी खलबली मच गई। घटना के बाद आरोपी रामबाबू यादव को उसके ससुराल पक्ष के लोगों ने पकड़ लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। परिजनों व प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत से गांव में मायम पसरा हुआ है, जबकि आरोपी पिता की इस करतूत को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

1800 भारतीय समेत 11 हजार नाविकों को होर्मुज से तुरंत निकालेगा यूएन

ईरान डील के बाद तैयार किया प्लान



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य एक बार फिर सुर्खियों में है। ईरान और अमेरिका के बीच महीनों तक चले तनाव और संघर्ष का असर सिर्फ तेल बाजार पर ही नहीं पड़ा, बल्कि हजारों नाविकों पर भी पड़ा है, जो समुद्र के बीच फंस गए। हालात ऐसे बन गए कि सैकड़ों जहाज महीनों तक समुद्र में ही इंतजार करते रहे। अब संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी ने इन फंसे हुए नाविकों को सुरक्षित निकालने की बड़ी प्लानिंग शुरू की है। भारत के लिए यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सेक्टर में भारतीय नाविकों की बड़ी हिस्सेदारी है। दुनिया के बड़े व्यापारिक जहाजों पर काम करने वाले हर 6 नाविकों में से 1 भारतीय बताया जाता है। ऐसे में होर्मुज में पैदा हुए संकट का असर भारतीय नाविकों और उनके परिवारों पर भी पड़ा है। भारत सरकार पहले ही समुद्री कंपनियों को संघर्ष वाले इलाकों में भारतीय नाविकों की तैनाती को लेकर सतर्क रहने की सलाह दे चुकी है।

कितने नाविकों को निकालने की तैयारी है ?

संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी इंटरनेशनल मरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने बताया है कि फिलहाल करीब 600 जहाज इस मुश्किल से प्रभावित हैं। इनमें तेल टैंकर, कंटेनर जहाज और मालवाहक जहाज शामिल हैं। इन जहाजों पर सवार 11,000 से ज्यादा नाविक लंबे समय से समुद्र में फंसे हुए हैं। अब संयुक्त राष्ट्र उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की प्लानिंग पर काम कर रहा है। के प्रमुख आर्सेनियो डोमिंगुएज ने बताया कि इस संघर्ष के दौरान 14 नाविकों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि फंसे हुए नाविकों और जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े स्तर पर एक बचाव अभियान चलााने की योजना बनाई गई है।

कितने जहाज फंसे हुए हैं ?

भारत अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सेक्टर में नाविक उपलब्ध कराने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में करीब 3.5 लाख भारतीय नाविक जहाजों पर काम करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या विदेशी झंडे वाले जहाजों पर तैनात है। डीजी शिपिंग के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर काम करने वाले हर 6 नाविकों में 1 भारतीय है। ऐसे में देखा जाए, तो अगर 11 हजार नाविकों अगर सुरक्षित निकलते हैं, तो उनमें अनुमान 1800 से 2000 भारतीय नाविक होंगे। हाल के महीनों में ओमान की खाड़ी और होर्मुज क्षेत्र में कई जहाज हमलों का शिकार हुए। कुछ घटनाओं में भारतीय नाविकों की मौत भी हुई थी। इसके बाद डीजी शिपिंग ने भर्ती एजेंसियों और शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी कि वे संघर्ष वाले क्षेत्रों में भारतीय नाविकों की तैनाती सीमित रखें।

तेहरान जाएंगे पीएम मोदी? खामनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान के राष्ट्रपति ने भेजा न्योता

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

जुलाई में खामनेई के अंतिम संस्कार कार्यक्रम का शेड्यूल सामने आ गया है। ईरान के राष्ट्रपति ने मसूद पेजेशकियन ने खामनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता भेजा है। फरवरी में अमेरिकी-इजरायली हवाई हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामनेई की मौत हो गई थी। अब जुलाई में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा, जिसमें शामिल होने के लिए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने पीएम नरेंद्र मोदी को औपचारिक निमंत्रण भेजा है। खामनेई के अंतिम संस्कार का कार्यक्रम 4 जुलाई से 9 जुलाई तक चलेगा।

भारत पर टिकी दुनिया की नजरें

हालांकि, अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि पीएम नरेंद्र मोदी ईरान के न्योते पर खामनेई के अंतिम संस्कार में जाएंगे या नहीं। इस समय पूरी दुनिया की नजरें खासकर अमेरिका की नजरें भारत पर टिकी हुई हैं। सभी का नजर पीएम मोदी के फैसले पर है कि क्या पीएम मोदी अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तेहरान जाएंगे या फिर अपने किसी प्रतिनिधित्व को समारोह में शामिल होने के लिए भेजेंगे।



भारत से संबंध सुधारने को चीन तैयार, दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात के बाद बदले सुर

कई मुद्दों पर बनीं सहमति!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को आपसी भरोसा बढ़ाने, गलतफहमियां दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालने, पारस्परिक लाभ वाले सहयोग को गहरा करने और द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए साथ काम करना चाहिए। साथ ही, दोनों देश अपने-अपने आधुनिकीकरण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा सकते हैं।



इन मुद्दों पर बनी सहमति

वांग ने कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने, आपसी विश्वास बढ़ाने, संदेह दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को सही तरीके से संभालने, आपसी लाभ वाले सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत-चीन संबंधों की सकारात्मक दिशा को बनाए रखने के लिए तैयार है। यह दोनों देशों की जनता के मूल हितों के अनुरूप है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं के भी अनुरूप है।

अजीत डोभाल से हुई मुलाकात

भारत-चीन सबसे बड़े विकासशील देश: चीनी राजदूत

भारत में चीन के राजदूत शु फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेश मामलों आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी ने नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वांग ने कहा कि चीन और भारत, दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देश और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

चीनी विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हाल की प्रगति की समीक्षा की और माना कि संबंधों के सामान्य होने की दिशा में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है। इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिश्री, राजदूत शु फीहोंग और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। अजीत डोभाल के साथ बैठक में वांग यी ने ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका का समर्थन दोहराया और कहा कि चीन, ब्रिक्स व्यवस्था के विकास और विस्तार के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

हिंदमाता एंकर किम का लक्ष्य नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाना है

अब मचेगी कल्पना से परे तबाही! किम जोंग-उन ने उतारा 5,000 टन का खूंखार विध्वंसक, दुश्मनों के छूटेंगे पसीने

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

उत्तर कोरिया ने अपनी नौसैनिक शक्ति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करते हुए एक शक्तिशाली 5,000 टन क्षमता वाले नए विध्वंसक युद्धपोत को बेड़े में शामिल किया है। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने इस अवसर पर घोषणा की कि इस नए युद्धपोत के आने से नौसेना की लड़ाकू क्षमता अब कल्पना से परे स्तर तक मजबूत हो जाएगी। राज्य मीडिया केसिएएफ के अनुसार, यह कदम उत्तर कोरिया की सैन्य रणनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है।

नामपो बंदरगाह पर भव्य कमीशनिंग समारोह

इस नए प्रकार के बहु-मिशन विध्वंसक युद्धपोत का नाम चोए ह्योन रखा गया है। इसका कमीशनिंग समारोह पश्चिमी बंदरगाह नामपो में आयोजित किया गया, जिसमें किम जोंग-उन खुद शामिल हुए। बता दें कि इस युद्धपोत का अनावरण पिछले साल अप्रैल में किया गया था और बेड़े में शामिल होने से पहले इसके कई सफल हथियार परीक्षण भी किए जा चुके हैं।

नौसेना की बदलती वैश्विक छवि

समारोह के दौरान अपने बर्खाई भाषण में किम जोंग-उन ने स्वीकार किया कि पहले उत्तर कोरियाई नौसेना को एक कमजोर शाखा के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने चोए ह्योन को सबसे परिपूर्ण और जटिल संवाहन क्षमता से लैस बताया। किम का लक्ष्य नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाना है, ताकि इसे एक पूर्ण रणनीतिक सेवा के रूप में स्थापित किया जा सके। यह विध्वंसक अब पश्चिमी सागर बेड़े का हिस्सा होगा, जहां इसकी मुख्य जिम्मेदारी समुद्री सीमा की रक्षा और संभावित युद्ध को रोकना होगी।



भविष्य की विस्तारवादी रक्षा योजनाएं

किम जोंग-उन ने केवल एक युद्धपोत तक ही रुकने का संकेत नहीं दिया है। उन्होंने देश की पांच वर्षीय रक्षा विकास योजना के तहत हर साल दो चोए

ह्योन श्रेणी या उससे बड़े युद्धपोत बनाने का आह्वान किया है। इसमें 10,000 टन क्षमता वाले विशाल क्रूजर और रणनीतिक युद्धपोत भी शामिल होंगे। चोए ह्योन के बाद जल्द ही कांग कोन विध्वंसक को भी संवाहन में लाया जाएगा। इसके साथ ही किम ने पानी के भीतर इस्तेमाल होने वाली हथियार प्रणालियों और एस्कॉर्ट जहाजों के निर्माण पर भी विशेष जोर दिया है।

विदेशी तकनीक का संदेह

रक्षा विश्लेषकों का मानना ​​है कि इस विध्वंसक की तैनाती सीधे तौर पर दक्षिण कोरिया और पीला सागर क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए की गई है। विशेषज्ञों ने यह भी गौर किया है कि इस जहाज के वर्टिकल लॉन्च सिस्टम से क्रूज मिसाइलें दागी जा सकती हैं। हालांकि प्योगयांग इसे पूरी तरह स्वदेशी तकनीक बताता है, लेकिन कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का संदेह है कि इसके क्लोन-इन वेपन सिस्टम में रूस की वैंसिसर-एमई नौसैनिक वायु रक्षा प्रणाली की झलक मिलती है, जो संभावित रूसी तकनीकी सहायता की ओर इशारा करती है।

मोसाद ने रची थी आसिम मुनीर को जिनेवा में मारने की साजिश

ईरान वार्ता के दौरान थी प्लानिंग! पत्रकार के दावे से खलबली

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

ब्राजील के पत्रकार और जियो-स्ट्रैटेजिक एक्सपर्ट पेपे एस्कोबार के एक दावे से पाकिस्तान से लेकर ईरान तक सियासत हिल गई है। पेपे एस्कोबार ने दावा किया है कि इजराइल की तेज तर्रार खुफिया एजेंसी मोसाद ने पाकिस्तान के मिलिट्री चीफ फोल्ड मार्शल आसिम मुनीर और उनके पूरे डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। दावे के मुताबिक इस ऑपरेशन को तब अंजाम दिया जाना था जब पाक आर्मी चीफ ईरान शांति वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड के जिनेवा में थे। पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा है। दोनों देशों के बीच हुए शुरुआती समझौते का नाम 'इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' रखा गया है। इस्लामाबाद एमओयू पर आगे की बातचीत जिनेवा में हुई, जिसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। आसिम मुनीर की हत्या की मोसाद की साजिश का सनसनीखेज दावा ब्राजील के खोजी पत्रकार और जियोपॉलिटिकल एनालिस्ट पेपे एस्कोबार ने किया। यह दावा उन्होंने मारियो नवाफल के पॉडकास्ट के दौरान किया। मारियो एक पॉलिटिकल कमेंटेटर और इंटरनेट पर्सनेलिटी हैं।



पाक को मिली टॉप सीक्रेट जानकारी

एस्कोबार ने दावा किया कि पाकिस्तानी मिलिट्री इंटेलिजेंस को बहुत भरोसेमंद जानकारी" मिली थी कि मोसाद स्विट्जरलैंड में होने वाली हाई-लेवल बातचीत के दौरान मुनीर और पाकिस्तानी डेलिगेशन के दूसरे सदस्यों को मारने की तैयारी कर रहा था। इजरायली नेताओं ने ईरान-अमेरिका शांति समझौते की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें इसमें शामिल नहीं किया गया था। लेबनान में इजरायल के मिलिट्री ऑपरेशन से भी इस समझौते के टूटने का खतरा पैदा हो गया था। इजरायल ने कहा था कि वह लेबनान में ऑपरेशन नहीं रोकेंगा क्योंकि ईरान समर्थित मिलिशिया हिजबुल्लाह उसके लिए खतरा बना हुआ है।

पाकिस्तान बिलबिलाया- इजरायल को नक्शे से मिटा देंगे

पेपे एस्कोबार ने कहा कि मोसाद की कथित साजिश के बारे में पता चलने पर पाकिस्तानी अधिकारियों ने राजनयिक मध्यस्थों के जरिए जवाब दिया। उन्होंने कहा, पाकिस्तानियों ने मध्यस्थों के जरिए सीधा संदेश भेजा। मेरा अंदाजा है कि इस मामले में ओमान के जरिए सीधे इजरायल को यह संदेश दिया गया कि 'अगर तुमने हमारे प्रतिनिधिमंडल को छुआ, तो हम तुम्हें नक्शे से मिटा देंगे, बस बात खत्म।' में उनके शब्द दोहरा रहा हूं। हमारे सूत्र ने हमें यही बताया है।

पाकिस्तानी पत्रकारों ने दावे को खारिज किया

एस्कोबार के दावे को पाकिस्तानी पत्रकारों और कमेंटेटरों ने सख्ती से खारिज कर दिया है। कई पत्रकारों ने इस कहानी को बेबुनियाद और तथ्यों से रहित बताया। सीनियर पत्रकार सैयद तलत हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुनीर की हत्या की कोशिश के आरोप को सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया। हुसैन की पोस्ट का हवाला देते हुए लिखा, यह पूरी तरह बकवास है। इसमें रती भर भी सच्चाई नहीं है। ऐसा कुछ कभी हुआ ही नहीं।

'मैं अपने हिंदू धर्म से खुश हूं', पति जेडी वेंस के बयान से नाराज हुई उषा?

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस एक साथ कई मोर्चों पर चर्चा में हैं। हाल ही में स्विट्जरलैंड में हुई अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के दौरान पाकिस्तान को लेकर हुए उनके बयान ने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया, वहीं उनकी पत्नी उषा वेंस का धर्म और पहचान को लेकर दिया गया बयान भी सुर्खियां बटोर रहा है। जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस का एक इंटरव्यू भी चर्चा में है। सीबीएस न्यूज से बातचीत में उषा वेंस ने कहा कि वह एक स्थिर और मजबूत हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं और उन्हें अपने धर्म से अलग किसी नई आस्था को अपनाने की जरूरत महसूस नहीं होती। उषा ने कहा, मैं एक हिंदू परिवार में बड़ी हुई हूं। मैंने कभी ऐसा महसूस नहीं किया कि मुझे कुछ अलग तलाशने की जरूरत है। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि जेडी वेंस सार्वजनिक रूप से कई बार अपनी धार्मिक आस्था का जिक्र कर चुके हैं और इच्छा जताई है कि उनका परिवार भी उस विश्वास को साझा करे। जेडी वेंस यह भी मानते हैं कि उनकी पत्नी धर्म परिवर्तन नहीं कर रही हैं लेकिन वह खुद कह चुके हैं कि उनपर अपने बच्चों को चर्च ले जाने के लिए दबाव बना चुके हैं।



जेडी वेंस ने कहा- मुझे पाकिस्तान से प्यार

स्विट्जरलैंड में वार्ता के दौरान जेडी वेंस ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि उनकी जिंजीरी में दो बेहद महत्वपूर्ण लोग हैं। एक भारतीय और दूसरा पाकिस्तानी। उन्होंने कहा, भारतीय मेरी पत्नी उषा वेंस हैं और पाकिस्तानी फोल्ड मार्शल आसिम मुनीर। इसके बाद एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल पर उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें "पाकिस्तान से प्यार है।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा हमला, गैस प्लांट और सैन्य सैटेलाइट केंद्रों को बनाया निशाना

हिंदमाता नेटवर्क @ माँस्को

रूस-यूक्रेन युद्ध के पांचवें वर्ष में यूक्रेन ने रूस में भीतर तक हमला करते हुए एक बड़े नैचुरल गैस प्रोसेसिंग प्लांट और दो महत्वपूर्ण सैटेलाइट संचार केंद्रों को निशाना बनाया है। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बुधवार को दावा किया कि रातभर चले इस ऑपरेशन में रूस के ऊर्जा और सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया गया। यह हमला यूक्रेन के उस हवाई अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह रूस के ऊर्जा ठिकानों और सैन्य उद्योगों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन अब पहले से कहीं अधिक दूरी तक मार करने वाले और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, हमले का प्रमुख लक्ष्य रूस का ओरेनबर्ग गैस प्रोसेसिंग प्लांट था। यह प्लांट दुनिया के सबसे बड़े गैस परिसरों में से एक माना जाता है और इसमें रूस का एकमात्र हीलियम उत्पादन प्लांट भी स्थित है। यूक्रेन का दावा है कि हमले



के बाद परिसर में आग लग गई। बता दें कि ओरेनबर्ग क्षेत्र यूक्रेन के मोर्चे से करीब 1,200 किलोमीटर दूर स्थित है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह प्लांट हीलियम और एथेन का उत्पादन करता है, जिनका उपयोग रॉकेट इंजन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम, ठोस रॉकेट ईंधन और बारूद निर्माण में किया जाता है।

बिजनेस वर्ल्ड

एलन मस्क से छिना 'ट्रिलियनेयर' का ताज, महज 3 दिन में डूबे 9.8 लाख करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने महज कुछ ही दिनों के भीतर एक बड़ा रिपोर्ट अपने हाथ से गंवा दिया है। स्पेसएक्स के शेयरों में आई भारी गिरावट के कारण मस्क अब दुनिया के इकलौते ट्रिलियनेयर (1 लाख करोड़ डॉलर की संपत्ति वाले व्यक्ति) नहीं रहे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ गिरकर 957 अरब डॉलर पर आ चुकी है। मस्क की संपत्ति में यह बड़ी संघ स्पेसएक्स के मूल्यंकन में भारी कमी और टेक बाजार में आई मंदी के कारण लगी है। हालांकि, इस भारी नुकसान के बावजूद वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति पर मजबूती से बने हुए हैं। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने हाल ही में शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की थी, जिसके बाद कंपनी की वैल्यूएशन करीब 3 लाख अरब डॉलर पहुंच गई थी। इसी तेजी के दम पर मस्क ने ट्रिलियनेयर क्लब में एंट्री ली थी। लेकिन बाजार का रुख बदलते ही स्पेसएक्स के शेयर 150 डॉलर के स्तर से नीचे आ गए। महज तीन कारोबारी सत्रों के भीतर कंपनी की मार्केट वैल्यू में 600 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस बड़ी गिरावट के कारण मस्क को अकेले ही लगभग 118 अरब डॉलर (करीब 11.14 लाख करोड़ रुपये) का भारी नुकसान उठाना पड़ा, जिसने उन्हें ट्रिलियनेयर की लिस्ट से बाहर कर दिया। दौलत गंवाने के बाद भी एलन मस्क की वित्तीय सेहत पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। ब्लूमबर्ग यहां उनकी संपत्ति 957 अरब डॉलर आंक रहा है, वहीं फोर्ब्स की रैंकिंग में अब भी उन्हें 1.1 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया का एकमात्र ट्रिलियनेयर बताया जा रहा है। मस्क की कुल संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा स्पेसएक्स से आता है। इस कंपनी में उनकी 88 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसकी कीमत करीब 744 अरब डॉलर है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला में भी उनका बड़ा निवेश है, जहां उनके शेयरों की वैल्यू लगभग 158 अरब डॉलर है। मस्क की इस नेटवर्थ गिरावट के पीछे सिर्फ स्पेसएक्स ही नहीं, बल्कि टेस्ला के शेयरों पर बना दबाव भी है। अमेरिकी नियामकों ने टेस्ला मॉडल 3 कार की एक घातक दुर्घटना के बाद उसकी एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम की जांच शुरू की है, जिससे टेस्ला के शेयर इस हफ्ते 5 फीसदी तक टूट गए।



आंध्र प्रदेश बनेगा नया गोल्ड हब! ऐसे हर साल निकलेगा 2000 किलो सोना

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबु नायडू ने बुधवार को कुरुलग जिले के जोनानागिरी में 405 करोड़ रुपये की गोल्ड माइन एवं प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसके साथ ही राज्य में कमर्शियल लेवल पर सोने के उत्पादन की शुरुआत हुई है। सीएम ने प्रोजेक्ट्स के दूसरे फेज की आधारशिला भी रखी, जिसे जियो मैसूर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और डेवकॉ गोल्ड माइंस लिमिटेड द्वारा विकसित किया जा रहा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, यह प्रोजेक्ट माइनिंग सेक्टर में आंध्र प्रदेश के लिए एक नया चेटर खोलती है और औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है। सरकार ने इस परियोजना के लिए 1,500 एकड़ भूमि आवंटित की है, जिसमें से पहले चरण में 600 एकड़ में खनन गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। शेष क्षेत्र में विस्तार आगामी चरणों में किया जाएगा। परियोजना के अनुमानों के अनुसार, संचालन के पहले वर्ष में 400 किलोग्राम तक सोने का उत्पादन होने की उम्मीद है। दूसरे वर्ष से यह बढ़कर 900 किलोग्राम प्रतिवर्ष हो जाएगा। भविष्य में उत्पादन को टैन प्रति वर्ष तक बढ़ाने की योजना है। इस परियोजना से लगभग 700 लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। राज्य सरकार को खदान से उत्पादित सोने के मूल्य का चार प्रतिशत रॉयल्टी राजस्व के रूप में प्राप्त होगा। वर्तमान अनुमानों के आधार पर, आंध्र प्रदेश को 400 किलोग्राम सोने के उत्पादन पर लगभग 57 करोड़ रुपये पर, आंध्र प्रदेश को 400 किलोग्राम सोने पर लगभग 144 करोड़ रुपये की रॉयल्टी प्राप्त हो सकती है। यह परियोजना देश के निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी सोना खनन परियोजना बताई जा रही है।



जेब ढीली करने को हो जाइए तैयार, 25% तक महंगा हो सकता है फ्लाइट का टिकट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

हवाई साफर करने वाले लोगों को अब देश-विदेश में यात्रा करना महंगा हो सकता है। विश्व की प्रतिष्ठित कंसल्टिंग कंपनी मैकिन्से ने एक ताजा रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक पलाइट्स टिकट के दामों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्तमान में दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे संघर्ष और तेल रिफाइनरीज की कमी के कारण जेट ईंधन की आपूर्ति पर बुरा असर पड़ा है। इससे एयरलाइंस कंपनियों को संभालन खर्च लगातार बढ़ रहा है। इससे आने वाले समय में दुनियाभर में पलाइट के किराये में बढ़ोतरी की संभावना है। मैकिन्से ने अनुमानित में बताया कि गर्मी की छुट्टियों में घूमने का सीजन शुरू हो जाता है। ऐसे में सीजन शुरू होने से पहले ही जेट फ्यूल की मांग में बढ़ोतरी देखने को मिलने लगी है। वहीं, इसका स्टिक लगातार कम होता जा रहा है। बता दें, एशिया के कुछ देश और इसका देश मिलकर दुनिया का लगभग 40 फीसदी जेट ईंधन का निर्यात करते हैं, लेकिन इन देशों के संघर्ष में उलझने के कारण अब वहां की रिफाइनरीज से प्रोडक्शन में लगातार गिरावट आयी है। इससे वैश्विक बाजार में डिमांड-सप्लाई का संतुलन बिगड़ गया। जेट फ्यूल की आपूर्ति बाधित होने से इसकी डिमांड पूरी करने के लिए अभी पुराने स्टॉक का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे रणनीतिक भंडारण में भारी कमी आई है। इसको दोबारा से भरने में अभी काफी समय लगेगा। इसलिए आने वाले कई महीनों तक इसकी डिमांड हाई रहने वाली है। बता दें, किसी भी हवाई यात्रा में टिकट की कुल किराए का करीब 30 फीसदी हिस्सा जेट फ्यूल की लागत में चला जाता है। ऐसे में अगर फ्यूल में कमी या कीमत में बढ़ोतरी होती है, तो इसका बोझ यात्रियों पर भी पड़ेगा। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि हवाई यात्रा के टिकट किराए में लगभग 20-25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है।



अदाणी ग्रुप ने हार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर में किया 1.5 लाख करोड़ का बड़ा निवेश

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अदाणी ग्रुप ने वित्त वर्ष 26 में हार्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बड़ा निवेश किया है। यह अहम जानकारी बुधवार को अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 34वीं AGM 2026 में दी। उन्होंने कहा कि यह देश के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भरोसे का एक बहुत ही बड़ा सबूत है। ग्रुप का यह बड़ा निवेश वित्त वर्ष 26 में निजी क्षेत्र के कुल नए निवेश का 30 प्रतिशत से भी अधिक रहा है। शोयरधारकों को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि हमारा ग्रुप उतार-चढ़ाव के बीच भी मजबूती से आगे बढ़ रहा है। अदाणी ग्रुप के लिए वित्त वर्ष 2025-26 एक बहुत ही अहम और निर्णायक साल पूरी तरह से साबित हुआ है। दुनिया बंटी होने और चुनौतियों के बावजूद भी ग्रुप को भारत के उज्ज्वल भविष्य पर बहुत गहरा विश्वास है। यह भारी निवेश भारत के अगले अत्याधुनिक तेजी से आगे बढ़ाने में काफी ज्यादा और महत्वपूर्ण मदद करने वाला है। गौतम अदाणी ने कहा कि यह भारी तरक्की बहुत आसान और सामान्य अदाणी ने बिल्कुल भी नहीं हुई है। इस दौरान ग्रुप को बहुत ही ज्यादा और गहरी जांच-पड़ताल का भी मजबूती से सामना करना पड़ा है। लेकिन फिर भी ग्रुप झुकना नहीं और लगातार अपने अहम लक्ष्य की तरफ तेजी से आगे बढ़ता ही रहा है। हमारी पहचान इससे नहीं बनती कि शोर कितना है बल्कि इस बात से बनती है कि हम राष्ट्र निर्माण में कैसे योगदान करते हैं। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने इस साल की शुरुआत में आए 25,000 करोड़ रुपये के बड़े राइट्स इश्यू का भी प्रमुखता से जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह केवल पूंजी जुड़ाने का इवेंट नहीं था बल्कि हमारी विश्वसनीयता का बड़ा जनमत संग्रह था। यह भारत की कोर्पोरेट दुनिया के इतिहास के सबसे बड़े और अहम राइट्स इश्यू में से एक माना गया है। ऐसे समय में जब कुछ लोगों ने शक पैदा किया तब आम शोयरधारकों ने पूरे भरोसे के साथ अपनी भरपूर भागीदारी दी। गौतम अदाणी के अनुसार किसी भी ग्रुप के इतिहास में कुछ साल माइस्टरीन में भी ज्यादा अहमियत वाले होते हैं। ये साल आपके पकड़े इतरे और मुश्किलों का डटकर सामना करने की असली ताकत को पूरी तरह साबित करते हैं। ये साल उन लोगों में फर्क दिखाते हैं जो सिर्फ इंतजार करते हैं और जो हर स्थिति में आगे बढ़ते हुए निर्माण करते हैं। चुनौतियों के बावजूद अदाणी ग्रुप भारत की तरक्की में अपना भारी योगदान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।





भारत की बेटियों को फिर दिखाना होगा दम

मैनचेस्टर में बांग्लादेश से होगी टक्कर

मध्य क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी और खराब क्षेत्ररक्षण के कारण महिला टी-20 विश्व कप में भारत का अभियान खतरे में पड़ गया है और ऐसे में गुरुवार को बांग्लादेश के विरुद्ध होने वाले मैच में भारतीय टीम को दम दिखाना होगा। भारत ने 12 टीमों के इस टूर्नामेंट में अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की फार्म की चिंता के साथ उतरा था लेकिन स्मृति मंधाना और शोफाली वर्मा ने काफी हद तक उन आइकाओं को दूर कर दिया है।

रिचा-दीप्ति ने किया अच्छ प्रदर्शन

ऋचा (स्ट्राइक रेट 176.92) और दीप्ति (159.37) ने अच्छ प्रदर्शन किया है लेकिन कम गेंद रहने के कारण दोनों पर दबाव बढ़ जाता है। भारत के अब तीन मैच में चार अंक हैं और उसका नेट रन रेट 2.511 है। उसने पाकिस्तान को 64 रन से और नीदरलैंड्स को 95 रन से हराया था लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका से छह विकेट से हार गया था। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार चार जीत हासिल करके ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। उसके आठ अंक हैं और उसका नेट रन रेट 4.724 है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमों सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारत ऐसी स्थिति में नहीं रहना चाहेंगा जहां दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान के लिए उसे चुनौती दे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत स्पिन आक्रमण पर निर्भर रहने के बावजूद पिच का पूरा फायदा उठाने में असमर्थ रहा। भारत ने गेंदबाजी में अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद मारिजान काप की आक्रमक बल्लेबाजी के सामने उसकी एक नहीं चली।

भारत का क्षेत्ररक्षण अभी तक अच्छ नहीं

भारत का क्षेत्ररक्षण भी अभी तक अच्छ नहीं रहा है। टीम की सर्वश्रेष्ठ फील्डरों में से एक राधा यादव ने काप के दो आसान कैच छोड़े जो बहुत मजबूत साबित हुए। टूर्नामेंट अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है और अब किसी भी तरह की गलती काफ़ी महंगी साबित हो सकती है। बांग्लादेश से भिड़ने के बाद भारत का सामना शानदार फार्म में चल रहे ऑस्ट्रेलिया से होगा। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 रन और नीदरलैंड्स को छह विकेट से हराया है और वह भारत के सामने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेगा। उसकी टीम ने अभी तक सामूहिक प्रयास से जीत हासिल की है और भारत को उससे सतर्क रहना होगा।

साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता: तमन्ना भाटिया

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने हाल ही में साउथ फिल्म इंडस्ट्री को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसने नई चर्चा को जन्म दे दिया है। साउथ और हिंदी दोनों फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकीं तमन्ना ने महिलाओं के प्रति नजरिए पर अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हिंदी सिनेमा की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में महिलाओं को देखने और प्रस्तुत करने का दृष्टिकोण अलग है। उन्होंने कहा कि कई बार महिलाओं को जिस तरह से दिखाया जाता है या उनके प्रति जो सोच रखी जाती है, वह उतनी सकारात्मक नहीं होती। तमन्ना के इस बयान के बाद सोशल मीडिया और बहस तेज हो गई है और लोग इस मुद्दे पर अपनी-अपनी राय रख रहे हैं।

साउथ इंडस्ट्री को लेकर बोलीं तमन्ना भाटिया

हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान तमन्ना भाटिया ने बताया कि उनके व्यक्तित्व अनुभव और विचारों पर आधारित हैं। तमन्ना के अनुसार, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पुरुषों का प्रभाव अधिक देखने को मिलता और कई बार महिलाओं के प्रति सोच भी उसी अनुसार नजर आती है। महिलाओं को जिस दृष्टि से देखा और पेश किया जाता है, वह हमेशा सकारात्मक या संतुलित नहीं लगता। अभिनेत्री के इस बयान ने इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति और उनके प्रतिनिधित्व को लेकर नई चर्चा शुरू कर दी है। अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री (बॉलीवुड) और साउथ सिनेमा के कामकाजी तौर-तरीकों के बीच के बड़े अंतर को अपने अनुभवों के आधार पर साझा किया है। अभिनेत्री के अनुसार, हिंदी सिनेमा में मुख्य रूप से दो तरह के कलाकारों के लिए जगह होती है: कलात्मक अभिनय को चुनने वाले, ये वो एक्टर होते हैं जो गंभीर, संजीदा और आर्टिस्टिक किरदारों को तरजीह देते हैं। वरेंटाइल कलाकार, बॉलीवुड की सबसे अच्छी बात यह है कि यह कला और ग्लैमर दोनों को एक साथ अपनाने का मौका देता है। जो अभिनेता इन दोनों ही मोर्चों पर खुद को बखूबी साबित कर लेता है, वही सही मायनों में इंडस्ट्री का सुपरस्टार बनता है।

साउथ सिनेमा का अनुभव और पाबंदियां

इसी के साथ तमन्ना भाटिया ने अपने शुरुआत के दिनों को याद करते हुए कहा कि साउथ इंडस्ट्री का माहौल थोड़ा अलग है, मैने थोड़े दिनों में ही उसे भांप लिया। उनका मानना है कि साउथ के कमर्शियल सिनेमा के म्यूजिकल और ग्लैमरस पहलू में खुद को ढालने के लिए एक खास 'स्टार वैल्यू' की जरूरत होती है। इसी वजह से उन्हें लगता है कि व्यावसायिक स्तर पर साउथ सिनेमा में कलाकारों के लिए पाबंदियां और सीमाएं बॉलीवुड के मुकाबले कहीं ज्यादा कड़ी होती हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जावहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगंव, मुंबई -603, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।

दूरध्वनि: 0251- 3238100, कार्यकारी संपादक: पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेनट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 स्थानीय संपादक: शिवप्रताप

उर्वशी रौतेला ने खरीदीं 90 करोड़ की दो बुगाटी टर्बिलॉन हाइपरकार



ग्लोबल स्टार उर्वशी रौतेला ने अपनी शानदार लाइफस्टाइल में एक और बेहतरीन चीज शामिल करके दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है। खबर है कि उर्वशी ने एक नहीं, बल्कि दो बेहद खास बुगाटी टर्बिलॉन हाइपरकार खरीदी हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 90 करोड़ रुपए है। इस शानदार खरीदारी के साथ, उर्वशी दुनिया भर की उन मशहूर हस्तियों और स्पोर्ट्स आइकन के खास ग्रुप में शामिल हो गई हैं, जिन्हें अनोखी और बेहतरीन कारें पसंद हैं। इस ग्रुप में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार जूनियर और ड्रेक जैसे नाम शामिल हैं।

■ बुगाटी टर्बिलॉन को अब तक की सबसे एडवांस्ड और खास हाइपरकार में से एक माना जाता है। यह इंजीनियरिंग, लमजरी और रुतबे का बेहतरीन नमूना है, इसलिए दुनिया के सबसे अमीर लोग इसे पाना चाहते हैं। बुगाटी टर्बिलॉन हाइपरकार की खरीदारी को उर्वशी के बढ़ते ग्लोबल रुतबे और शानदार सफलता का एक और खूबत माना जा रहा है। यह गाड़ी अपने आप में खास है: दुनिया भर में इसकी बहुत कम संख्या में ही बनने की उम्मीद है, इसलिए इसका मालिक बनना कुछ चुनिंदा लोगों के लिए ही संभव है।

■ जैसे-जैसे उर्वशी एंटरटेनमेंट, फैशन और इंटरनेशनल कोलैबोरेशन के जरिए अपनी ग्लोबल पहचान बढ़ा रही हैं, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे जानी-मानी और प्रभावशाली हस्तियों में उनकी जगह को और मजबूत करती है। रेड कार्पेट से लेकर लमजरी कलेक्शन तक, और फिल्मों में कामयाबी से लेकर अंतरराष्ट्रीय पहचान तक, उर्वशी रौतेला लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। वे बेहतरीन जीवन जीते हुए लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं। खबरों के मुताबिक, उनके कलेक्शन में अब दो बुगाटी टूरबिलॉन हाइपरकार शामिल हो गई हैं। इससे उर्वशी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे उन ग्लोबल सुपरस्टार्स की श्रेणी में आती हैं जो दुनिया भर के मंच पर लमजरी, महत्वाकांक्षा और सफलता की नई परिभाषा गढ़ते हैं।



‘दुल्हनिया ले आएंगी’ का फर्स्ट लुक रिलीज

एक्ट्रेस खुशाली कुमार की अपकमिंग पारिवारिक मनोरंजक फिल्म ‘दुल्हनिया ले आएंगी’ का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर में खुशाली कुमार एक अनोखे ब्राइडल अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। पोस्टर में खुशाली कुमार पारंपरिक दुल्हन के जोड़े में दिखाई दे रही हैं, लेकिन आंखों पर स्टाइलिश सनग्लासेस और आत्मविश्वास से भरा उनका अंदाज उन्हें पारंपरिक दुल्हन से अलग पहचान देता है। पोस्टर से संकेत मिलता है कि फिल्म की नायिका का किरदार बेहद खास और अप्रत्याशित होने वाला है।

■ आकाशदित्य लामा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में खुशाली कुमार के साथ पियूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक ऐसी दुल्हन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक खास मिशन और तय समयसीमा के साथ अपनी मंजिल की ओर बढ़ती है। फिल्म में हास्य, भावनाएं और कई अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिलेंगे। फिल्म के बारे में निर्देशक आकाशदित्य लामा ने कहा कि यह परिवार, रिश्तों और उनसे जुड़ी जटिलताओं तथा खुशियों का जश्न मनाने वाली कहानी है। उन्होंने कहा कि फिल्म की केंद्रीय पात्र ऐसी दुल्हन हैं, जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा।

■ वहीं खुशाली कुमार ने कहा कि कहानी सुनते ही उन्हें लगा कि यह ऐसा किरदार है, जिसे वह जरूर निभाना चाहेंगी। उनके अनुसार, यह किरदार आत्मविश्वासी, भावुक और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने वाली युवती का है। उन्होंने कहा कि पोस्टर केवल उसके व्यक्तित्व की एक झलक है और फिल्म में दर्शकों के लिए कई सरप्राइज मौजूद हैं। निर्माताओं का दावा है कि अपनी दिलचस्प कहानी, रंग-बिरंगे किरदारों और दमदार कलाकारों के साथ ‘दुल्हनिया ले आएंगी’ पारिवारिक मनोरंजन की उस परंपरा को नए अंदाज में पेश करेगी, जिसे दर्शक हमेशा पसंद करते रहे हैं। फिल्म दुल्हनिया ले आएंगी 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जाह्नवी कपूर का ट्रेडिशनल लुक

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं जाह्नवी कपूर ने पिंक और पर्पल मिक्स ऑर्गेन्जा साड़ी पहनी हुई है। इस साड़ी के ऊपर सोने के धागों से बारीक ग्रिड या चेकर पैटर्न बना हुआ है। इसी के साथ जाह्नवी ने मैरून रंग का डीप नैक ब्लाउज पहना हुआ है, जो उनके लुक को पूरा कम्पलीट कर रहा है। अपने लुक को और भी ज्यादा रॉयल बनाने के लिए जाह्नवी ने ग्रॉपर ट्रेडिशनल ज्वेलरी पहनी हुई है। उन्होंने



‘मिर्जापुर: द मूवी’ से सामने आया कालीन भैया, मुन्ना और गुड्डू का फर्स्ट लुक



■ इस खुलासे ने इंटरनेट पर अभी से ही बज पैदा कर दिया है, जहां दर्शक मिर्जापुर की दुनिया को याद कर रहे हैं और कयास लगा रहे हैं कि इसके बड़े पर्दे वाले चैप्टर में क्या होने वाला है। कल आने वाले टीजर के साथ, यह उत्सुकता और ज्यादा बढ़ने वाली है। सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए, मेकर्स ने एकज विप्राटी यानी कालीन भैया का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर रिलीज किया और लिखा, जो आया है, वह जाएगा भी, बस मज्जी कालीन भैया की होगी। आपका स्वागत करते हैं बड़े पर्दे पर। #MirzapurTheMovie, टीजर कल दोपहर 12 बजे आ रहा है। रिमाइंडर सेट कर लें और सबसे पहले टीजर देखें।

■ मेकर्स ने अली फजल यानी गुड्डू भैया का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, शुरू मजबूरी में किए थे, अब मजा आ रहा है। गुड्डू भैया आ रहे हैं बड़े पर्दे पर, तैयार हैं ना? #MirzapurTheMovie, टीजर कल दोपहर 12 बजे आ रहा है। रिमाइंडर सेट कर लें और सबसे पहले टीजर देखें। दिवेंद्र यानी मुन्ना भैया का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, हिंदी फिल्म के हीरो हैं हम, कहा था ना, हम अमर हैं। मुन्ना भैया का भीकाल, अब बड़े पर्दे पर। #MirzapurTheMovie, टीजर कल दोपहर 12 बजे आ रहा है। रिमाइंडर सेट कर लें और सबसे पहले टीजर देखें। देखिए #MirzapurTheMovie सिर्फ सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु में। अमेजन एमजीएम स्टूडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रेजेंट, ‘मिर्जापुर: द मूवी’ गुरमीत सिंह द्वारा डायरेक्टेड, पुनीत कृष्ण द्वारा रिटर्न और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा प्रोद्युस्ड है।

गले में बहुत हैवी चोकर नेकलेस पहना है, जिसमें नीचे की तरफ छोटे-छोटे हरे रंग के मोती लटके हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने मैचिंग के भारी झुमके पहने हैं अपने कपड़ों के साथ साथ-साथ जाह्नवी ने अपने मेकअप भी परफेक्ट रखा। उनकी आंखों को स्मॉकी शैडो और विंग्ड आईलाइनर के साथ डिफाइन किया गया है जाह्नवी कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो रही हैं और फैस कमेंट सेक्शन में उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं।